

epaper.vaartha.com

Vaartha Hindi

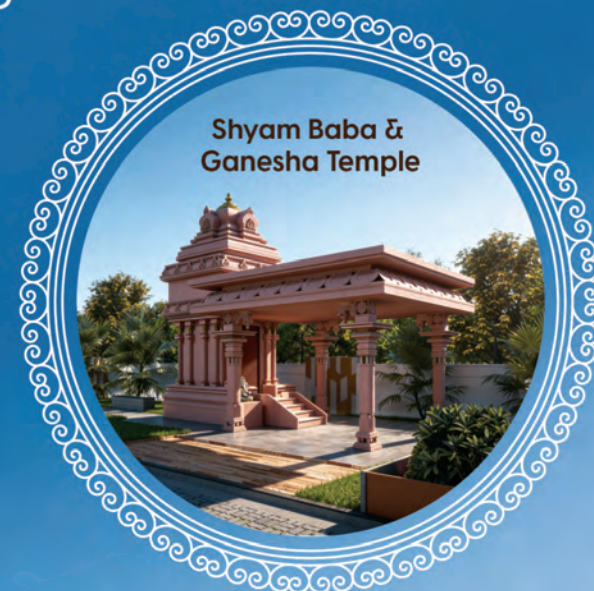
@Vaartha_Hindi

Vaartha official

www.hindi.vaartha.com

The **Perfect Time** to own Your **Dream Home**

PAY 50% NOW
& REMAINING ON **POSSESSION**

EXCLUSIVE **2 & 3 BHK** HOMESLUXURY LIVING BLESSED WITH
TEMPLES WITHIN THE COMMUNITY**G+35**
FLOORS**60K**
SFT CLUBHOUSE**5 ACRES**
OF COMMUNITY*Images shown are computer-generated renders:
the actual project will be similar but may vary slightly**+91 9542 28 28 28**Pillar No. 86, Attapur | www.mahaveerconstructions.com

Follow us on

SCAN TO WATCH THE
PROJECT WALKTHROUGH

लॉरी की टक्कर से चार मजदूरों की मौत

काकीनाडा, 16 मई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा रूरल में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। यहां एक तेज रफ्तार टिपर लॉरी ने काम पर जा रहे मजदूरों को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में चार मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना सुबह के समय हुई जब मजदूर कोव्वुरु पुल के पास काम पर जाने के लिए सड़क पार कर रहे थे। इंद्रपलम पुलिस स्टेशन के एसआई वीरबाबू ने जानकारी दी कि हादसे में दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। उन्हें तुरंत काकीनाडा के सरकारी सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है और विस्तृत जानकारी का इंतजार है। काकीनाडा जिले में इससे पहले भी एक बड़ा हादसा हो चुका है। इसी साल वेटलपालेम में एक पटनाखा बनाने वाली फैक्ट्री में भीषण आग लग गई थी। उस दुर्घटना में अठारह लोगों की जान चली गई थी।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों पर जीएसटी में कटौती की मांग की

विजयवाड़ा, 16 मई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री फेडरेशन (एपी चैंबर्स) ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के लिए कमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों पर जीएसटी को 18% से घटाकर 5% करने का आग्रह किया है।

जारी एक बयान में, एपी चैंबर्स के अध्यक्ष पोटलुरी भास्कर राव ने कहा कि होटल और रेस्टोरेंट, विशेष रूप से एमएसएमई संस्थान, कमर्शियल एलपीजी की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के कारण गंभीर वित्तीय संकट का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एपी में 19 किलोग्राम के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 1 मई, 2026 तक

बारामुला में पुलिस का एक्शन जमात-ए-इस्लामी नेटवर्क पर शिकंजा, घाटी में यूएपीए के तहत 15 से ज्यादा जगहों पर रेड
श्रीनगर, 16 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के बारामुला जिले में पुलिस ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी से जुड़े मामले में 15 से ज्यादा स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों के मुताबिक यह कार्रवाई यूएपीए (गैरकानूनी गतिविधियाँ रोकथाम अधिनियम) के तहत दर्ज एक मामले की जांच के सिलसिले में की गई। पुलिस ने सोपोर इलाके के जामिया कदीम, नसीम बाग, क्रांकशिवन, तरजूं, अमरगढ़, वाक्पोरा, बोमई और बोईंगटू समेत कई जगहों पर तलाशी अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन से जुड़े साहित्य और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की, अधिकारियों ने बताया कि सोपोर थाने में जमात-ए-इस्लामी के खिलाफ यूएपीए की धारा 10 और 13 के तहत एफआईआर दर्ज है। तलाशी अभियान यूएपीए कोर्ट से सचं वारंट लेने के बाद कानूनी प्रक्रिया के तहत चलाया गया। इस दौरान कार्यकारी मजिस्ट्रेट और स्वतंत्र गवाह भी मौजूद रहे। पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई प्रतिबंधित संगठनों और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों से जुड़े लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कदम उठाने के अभियान का हिस्सा है।

ब्यूटी पॉर्लर चलाने वाली कैसे बनी नीट पेपर लीक नेटवर्क की अहम किरदार तलाश कर लाती थी 'शिकार'

पुणे, 16 मई (एजेंसियां)। नीट पेपर लोक मामले में सीबीआई ने पुणे से मनिषा वाघमारे को गिरफ्तार किया है। मनिषा वाघमारे को पहले पुणे पुलिस ने हिरासत में लिया था, जिसके बाद सीबीआई ने उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया है कि पुणे के सुख सागर नगर में रहने वाली मनिषा वाघमारे ब्यूटी पॉर्लर चलाती थी, लेकिन पिछले दो वर्षों से वह कथित तौर पर नीट पेपर लोक रैकेट में मध्यस्थ की भूमिका निभा रही थी। पुलिस के मुताबिक, मनिषा वाघमारे छात्रों और उनके अभिभावकों से संपर्क करती थी और उन्हें धनंजय लोखंडे से जोड़ती थी। वह नीट परोक्षा देने वाले छात्रों को तलाशकर उनसे पैसे लेती थी और फिर उन्हें इस नेटवर्क तक पहुंचाती थी। इसके बदले में उसे कमीशन मिलता था। जांच एजेंसियों ने मनिषा वाघमारे के मोबाइल फोन और लैपटॉप भी जब्त किए हैं। पुलिस को उसके और धनंजय लोखंडे के बीच व्हाट्सअप चैट मिले हैं, जिनमें कथित तौर पर नीट पेपर लोक को लेकर बातचीत हुई थी। यह चैट अब जांच का अहम हिस्सा बन चुकी है। करीब दो साल पहले मनिषा वाघमारे ने सोशल मीडिया पर ऐसे विज्ञापन देखे थे, जिनमें प्रतियोगी परीक्षाओं में पास कराने का दावा किया गया था।

मुझे राजनीतिक सत्ता के बजाय

विजयवाड़ा, 16 मई (एजेंसियां)। यह जोर देते हुए कि जन सेना का स्थापना सत्ता के लिए नहीं, बल्कि लंबे समय तक चलने वाले सामाजिक और राजनीतिक बदलाव लाने के लिए की गई थी, उपमुख्यमंत्री जेएएसपी प्रमुख पवन कल्याण ने कहा कि एक दशक के संघर्ष के बाद पार्टी और मजबूत होकर उभरी है, और अब आंध्र प्रदेश से आगे बढ़कर कई दक्षिणी और पश्चिमी राज्यों में भी फैल रही है। जन सेना उद्यमी बैठक को संबोधित करते हुए, पवन कल्याण ने कहा कि जन सेना, जिसने अपनी राजनीतिक यात्रा तेलंगाना से शुरु की थी, अब कर्नाटक, तमिलनाडु और महाराष्ट्र तक अपनी मौजूदगी बढ़ा चुकी है, और इसके सदस्यों की संख्या 21.5 लाख से ज्यादा हो गई है।

पवन कल्याण ने लोगों के बढ़ते समर्थन का श्रेय जन सेना के राष्ट्रीय एकता और देशभक्ति के मूल्यों पर जोर देने को दिया। मैंने जन सेना की स्थापना मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा से नहीं की थी। मैंने इस पार्टी की शुरुआत इस सोच के साथ की थी कि समाज को कैसे बदला जा सकता है। यह सफलता एक दिन

लागभग 3,200 तक पहुंच गई थी, जो पिछले चार महीनों में लगभग 1,500 की कुल बढ़ोतरी के बाद हुई है। चैंबर ने कहा कि कई होटल और रेस्टोरेंट 5% जीएसटी श्रेणी के तहत काम करते हैं, जिसमें उन्हें इनपुट टैक्स क्रेडिट का प्रभाव लाभ नहीं मिलता, जबकि कमर्शियल एलपीजी पर 18% जीएसटी लगता है, जिससे उन पर उल्टा टैक्स का बोझ पड़ रहा है।

एपी चैंबर्स ने कहा कि एलपीजी की बढ़ती कीमतों और कच्चे माल की बढ़ती लागत ने उनके परिचालन खर्चों को लगभग 25% तक बढ़ा दिया है, जिससे कुछ संस्थानों को अपने मेनू सीमित करने पड़े हैं, जबकि छोटी इकाइयों पर बंद होने का खतरा मंडिर रहा है।

राऊज एवेन्यू कोर्ट में सोनिया गांधी से जुड़े वोटर लिस्ट विवाद पर सुनवाई टली



नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में कांग्रेस का राज्यसभा सदस्य सोनिया गांधी के खिलाफ दाखिल उस रिवीजन पिटीशन पर सुनवाई टल गई, जिसमें बिना भारतीय नागरिकता हासिल किए वोटर लिस्ट में नाम शामिल कराने का आरोप लगाया गया है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 4 जुलाई को होगी। पिछली सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों को एक सप्ताह के भीतर अपनी लिखित दलीलों दाखिल करने का निर्देश दिया था।

इसी दौरान शिकायतकर्ता के वकील विकास रिपाटी ने चुनाव आयोग से प्राप्त कुछ दस्तावेजों को कोर्ट रिकॉर्ड पर रखने की अनुमति मांगी थी, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। सुनवाई के

सीएम नायडू ने पोलावरम प्रोजेक्ट से विस्थापित परिवारों को न्याय का भरोसा दिलाया

अमरावती, 16 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू ने पोलावरम प्रोजेक्ट का निर्माण पूरा करने और प्रोजेक्ट से विस्थापित परिवारों के कल्याण के प्रति आज सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि विस्थापित लोगों को इस प्रोजेक्ट के कारण किसी भी तरह का नुकसान न हो। अपने पुट्रुपथी दौरे से अमरावती लौटने के बाद, आज मुख्यमंत्री ने अपने कैप ऑफिस में पोलावरम प्रोजेक्ट से विस्थापित परिवारों से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान, उन्होंने प्रोजेक्ट से प्रभावित लोगों के लिए मुआवजे और पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन पैकेज के तौर पर 306.61 करोड़ रुपये वितरित किए, और कॉलोनियों में लाभार्थियों को उनके घरों की कबियां सौंपीं। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि घर बनाने के लिए जमीन के पट्टे देने हेतु 62.05 एकड़ जमीन की पहचान की गई है, और 'जमीन के बदले जमीन' पुनर्वास मॉडल के तहत 520.02 एकड़ जमीन चिन्हित की गई है। कुल 2,250 करोड़ रुपये चार किस्तों में दिए गए।

गठबंधन सरकार ने अब तक विस्थापित परिवारों को चार चरणों में मुआवजा वितरित किया है। चौथी किस्त जारी की गई, जो सर आर्थर कॉटन जयंती के अवसर पर थी। जब से गठबंधन सरकार ने सत्ता संभाली है, तब से लगभग 29,936 विस्थापित लोगों को लगभग 2,250 करोड़ रुपये का मुआवजा मिल चुका

राज्य की स्थिरता ज़्यादा पसंद है: पवन कल्याण



में नहीं मिली। हमने 10 साल तक अपमान और कठिनाइयाँ सहੀं, उन्होंने कहा। पड़ोसी राज्यों में राजनीतिक पार्टियाँ शुरू करने के बाद तेजी से सत्ता में आने वाले क्षेत्रीय नेताओं के साथ अपनी तुलना का जिक्र करते हुए, पवन कल्याण ने कहा कि आंध्र प्रदेश में

आंगनवाड़ी शिक्षा को मजबूत करने के लिए ‘आंध्रलो चिन्नारुला चदुवुलु’ प्रोजेक्ट शुरू

विजयवाड़ा, 16 मई (एजेंसियां)। प्रधान सचिव (महिला एवं बाल कल्याण) ए। सूर्य कुमारी ने ‘आंध्रलो चिन्नारुला चदुवुलु’ प्रोजेक्ट शुरू किया। इस प्रोजेक्ट का मकसद पूरे राज्य में आंगनवाड़ी केंद्रों में शुरुआती बचपन की शिक्षा को मजबूत करना है। इस प्रोजेक्ट का उद्घाटन विजयवाड़ा में सिंचाई परिसर में स्थित किसान प्रशिक्षण केंद्र में किया गया। सूर्य कुमारी ने कहा कि यह पहल आंगनवाड़ी केंद्रों में एक शैक्षिक क्रांति लाएगी। इसके तहत खेल-आधारित शिक्षा के जरिए बच्चों में सीखने के स्तर को बेहतर बनाया जाएगा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बेहतर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की रीढ़ बताते हुए

राज्य की स्थिति पूरी तरह से अलग थी। उन्होंने याद दिलाया कि जन सेना ने 2019 के चुनावों में स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ा था और वे खुद उन दोनों सीटों से हार गए थे जहाँ से उन्होंने चुनाव लड़ा था। अगर मुझे सिर्फ पद चाहिए होता, तो मैं 2008 में ही सांसद के तौर पर चुनाव लड़ सकता था।

मैंने 2014 में मलकाजगिरी से चुनाव लड़ने पर भी विचार किया था। लेकिन एक राजनीतिक पार्टी बनाना तुरंत जीत हासिल करने के बारे में नहीं है। किसी को भी व्यवस्था को समझना चाहिए और एक विचारधारा के प्रति समर्पित रहना चाहिए, उन्होंने टिप्पणी की। तेलुगु देशम पार्टी के साथ अपने गठबंधन का बचाव करते हुए, पवन कल्याण ने कहा कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी के बाद हुए राजनीतिक घटनाक्रमों ने उन्हें राज्य के व्यापक हित में एक महत्वपूर्ण फैसला लेने के लिए मजबूर कर दिया।

उन्होंने याद दिलाया कि जन सेना ने 2019 के चुनावों में स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ा था और वे खुद उन दोनों सीटों से हार गए थे जहाँ से उन्होंने चुनाव लड़ा था। अगर मुझे सिर्फ पद चाहिए होता, तो मैं 2008 में ही सांसद के तौर पर चुनाव लड़ सकता था।

मैंने 2014 में मलकाजगिरी से चुनाव लड़ने पर भी विचार किया था। लेकिन एक राजनीतिक पार्टी बनाना तुरंत जीत हासिल करने के बारे में नहीं है। किसी को भी व्यवस्था को समझना चाहिए और एक विचारधारा के प्रति समर्पित रहना चाहिए, उन्होंने टिप्पणी की। तेलुगु देशम पार्टी के साथ अपने गठबंधन का बचाव करते हुए, पवन कल्याण ने कहा कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी के बाद हुए राजनीतिक घटनाक्रमों ने उन्हें राज्य के व्यापक हित में एक महत्वपूर्ण फैसला लेने के लिए मजबूर कर दिया।

आंगनवाड़ी शिक्षा को मजबूत करने के लिए ‘आंध्रलो चिन्नारुला चदुवुलु’ प्रोजेक्ट शुरू

उन्होंने कहा कि वे यह सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाती हैं कि योजनाओं का लाभ आखिरी लाभार्थी तक पहुँचे। उन्होंने आंगनवाड़ी कर्मचारियों को राजाना आने वाली चुनौतियों पर भी रोशनी डाली, जिनमें बच्चों को केंद्रों तक लाना, खाना बनाना, डेटा अपलोड करना और माता-पिता की काउंसलिंग करना शामिल है। उन्होंने कहा कि कुछ केंद्रों में शौचालय और पीने के पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी के बावजूद, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता लगातार बेहतरीन सेवाएँ दे रही हैं। प्रधान सचिव ने बताया कि जहाँ राज्य में लगभग 11 से 12 लाख बच्चों के आंगनवाड़ी केंद्रों में आने की उम्मीद है, वहीं सिर्फ 8 से 8.5 लाख बच्चे ही नामांकित हैं।

एयरपोर्ट से 2.58 करोड़ का सोना, कुआलालंपुर जाने वाले यात्री की जांच में मिला; पूछताछ जारी

अमृतसर, 16 मई (एजेंसियां)। अमृतसर के श्री गुरु रामदास जो इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने जांच के दौरान एक यात्री के कब्जे से करोड़ों रुपये मूल्य का सोना बरामद किया है। बरामद किए गए सोने की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 2.58 करोड़ रुपये बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार संबंधित यात्री फ्लाइट संख्या एमएच-119 के जरिए कुआलालंपुर जाने के लिए एयरपोर्ट पहुंचा था। चेंकिंग के दौरान उसकी गतिविधियां संदिग्ध लगने पर कस्टम विभाग की टीम ने उसे रोककर विस्तृत जांच की। तलाशी लेने पर उसके पास से सोना बरामद हुआ। कस्टम अधिकारियों के मुताबिक बरामद सोने का वजन 1 किलो 676 ग्राम है। सोने को जल कर लिया गया है और यात्री से पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि सोना कहाँ से लाया गया था और इसे किसे सौंपा जाना था। कस्टम विभाग ने मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि एयरपोर्ट पर तस्करी रोकने के लिए निगरानी लगातार बढ़ाई जा रही है और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

करोड़ों के जमीन मुआवजा घोटाले में गुरदासपुर की महिला एसडीएम गिरफ्तार

गुरदासपुर/तरनतारन, 16 मई (एजेंसियां)। राजस्थान-जम्मू कश्मीर राष्ट्रीय मार्ग निर्माण के लिए जमीन अधिग्रहण मुआवजा मामले में बड़ा मोड़ आ गया है। गुरदासपुर में तैनात महिला पीसीएस अधिकारी तथा उपमंडल अधिकारी अनुप्रीत कौर रंधावा को शनिवार सुबह उनके सरकारी आवास से गिरफ्तार कर लिया गया। यह कार्रवाई तरनतारन की पट्टी पुलिस ने लंबे समय से चल रही जांच के आधार पर की। आरोप है कि राष्ट्रीय मार्ग निर्माण के खातों में भेज दी गई, जिनका संबंधित जमीन से कोई संबंध नहीं था। जानकारी के अनुसार, अनुप्रीत कौर रंधावा उस समय तरनतारन में उपमंडल अधिकारी के पद पर तैनात थीं।

जांच में सामने आया कि वर्ष 2018 से 2019 के बीच राष्ट्रीय मार्ग-54 के लिए जमीन अधिग्रहण प्रक्रिया चल रही थी। इसी दौरान पांच अपात्र लोगों के खातों में सरकारी मुआवजे की रकम जारी कर दी गई। आरोप है कि यह भुगतान माल विभाग के अभिलेखों की पुष्टि किए बिना किया गया। मामले की शुरुआत उस समय हुई जब पट्टी के तत्कालीन उपमंडल अधिकारी नवराज सिंह बराड़ ने तत्कालीन उपयुक्त प्रदीप सभवाल को शिकायत भेजी। शिकायत में कहा गया कि जिन लोगों के नाम पर रकम जारी की गई, उनकी जमीन राष्ट्रीय मार्ग परियोजना के लिए अधिग्रहित ही नहीं की गई थी।

फेक न्यूज़ के मामलों में आंध्र दूसरे स्थान पर

विजयवाड़ा, 16 मई (एजेंसियां)। 2023-24 के लिए नेशनल ब्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, आंध्र प्रदेश डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए फैलाई जाने वाली फेक न्यूज़ और अफ़वाहों से जुड़े मामले दर्ज करने में देश के अग्रणी न्यूज़ और अफ़वाहें फैलाने से जुड़े 346 मामले दर्ज किए गए, जिससे यह देश में उत्तर प्रदेश के बाद दूसरे स्थान पर रहा; उत्तर प्रदेश में 984 मामले दर्ज किए गए थे।

तेलंगाना 343 मामलों के साथ तीसरे स्थान पर रहा। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, इनमें से ज़्यादातर मामले बीएनएस की धारा 353, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रावधानों और आईपीसीसी की धारा 505 के तहत दर्ज किए गए, जो सार्वजनिक उपद्रव फैलाने वाले बयानों से संबंधित हैं। अधिकारियों ने बताया कि सोशल मीडिया, मैसेजिंग ऐप्स और नकली ऑनलाइन खातों के जरिए फैलाई जाने वाली गलत जानकारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए एक बढ़ती हुई चुनौती बन गई है।

डायलिसिस यूनिट में 15 मौतों के बाद कमियां सामने आईं

काकीनाडा, 16 मई (एजेंसियां)। काकीनाडा सरकारी जनरल अस्पताल (जीजीएच) परिसर में स्थित नेफ्रोप्लस डायलिसिस यूनिट में कई कमियां पाई गई हैं। आरोप है कि पिछले तीन महीनों में इन कमियों के कारण कई लोगों की मौत हुई है। पीजीआरएस में मिली एक शिकायत के बाद, एनटीआर वैद्य सेवा के काकीनाडा जिला समन्वयक डॉ। पसुपुलेटी राधा कृष्ण ने शुक्रवार को डायलिसिस के रिकॉर्ड की जांच की और इन कमियों को उजागर किया। उन्होंने टीएनआईई को बताया कि इस मामले की रिपोर्ट काकीनाडा के जिला कलेक्टर और चिकित्सा शिक्षा निदेशक (डीएमई) को भेजी जाएगी।

उन्होंने कहा कि एनटीआर वैद्य सेवा के जिला समन्वयक इस यूनिट की निगरानी करते हैं, और पीजीआरएस याचिका को डीएमई के पास भेज दिया जाएगा। एनटीआर वैद्य सेवा के जिला समन्वयक डॉ। पसपुलेटी राधा कृष्ण ने बताया कि इन मौतों से जुड़ी कई कमियां सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि इन कमियों की रिपोर्ट जल्द से जल्द कलेक्टर और डीएमई को भेजी जाएगी।

मैं निडर हूं, कुछ छिपाना नहीं है बस ईडी को झेलना है : रॉबर्ट वाड़ा



नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। शिकोहपुर जमीन सौदे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शनिवार को जमानत मिलने के बाद कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड़ा के पति और बिजनेसमैन रॉबर्ट वाड़ा ने कहा कि वे निडर हैं और कुछ छिपाना नहीं चाहते हैं, बस ईडी को झेलना है। उन्होंने कहा कि झेलने की क्षमता है, वह सबसे बड़ी चीज है। शनिवार को रॉबर्ट वाड़ा शिकोहपुर जमीन सौदे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राऊज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए, जहां उन्हें कोर्ट से 50,000 रुपये के मुचलक पर जमानत दे दी गई। राउज एवेन्यू कोर्ट में वाड़ा के वकील ने अपनी दलील में कहा कि इस मामले में उन्हें पहले कभी गिरफ्तार नहीं किया गया था, इसलिए उन्हें जमानत दी जानी चाहिए। अदालत ने उनकी दलील सुनने के बाद जमानत

अंतरराष्ट्रीय साइबर टग गिरोह का पर्दाफाश, 132 आरोपी गिरफ्तार; एक करोड़ कैश बरामद

लुधियाना, 16 मई (एजेंसियां)। लुधियाना पुलिस ने कॉल सेंटर की आड़ में चल रहे अंतरराष्ट्रीय साइबर टग गिरोह का भंडाफोड़ किया है। आरोपी फर्जी वायरस अलर्ट भेजकर विदेशी नागरिकों को निशाना बनाते थे और उनसे नकदी, सोना व महंगे गिफ्ट उग लेते थे। पुलिस ने इस गिरोह के 132 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मास्टरमाइंड फिलहाल दिल्ली और गुजरात में बैठे हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की विशेष टीम ने रवाना हो चुकी है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 1.07 करोड़ रुपये की नकदी, 98 लैपटॉप, 229 मोबाइल फोन और 19 लगजरी गाड़ियां जब्त की हैं। वहीं,

एमडी इग्न बेचने वाले तस्क़र पकड़ाए

इंदौर, 16 मई (एजेंसियां)। इंदौर के रहने वाले तीन बदमाशों को मंदसौर पुलिस ने करीब 1 किलो एमडी इग्न के साथ पकड़ा है। आरोपी इंदौर से माल की डिलीवरी लेने पहुंचे थे। बदमाशों से एक कार भी मिली है। जानकारी के मुताबिक वे खजराना और अजाबद नगर इलाके में माल सप्लाई करते थे। लोकल पुलिस उनके पीछे लगी थी, लेकिन उससे पहले ही मंदसौर पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। तीनों नशे के आदी बताए जा रहे हैं। हालांकि, वे इंदौर के छत्रपुरा इलाके के ही किसी व्यक्ति के कहने पर इतनी बड़ी रकम लेकर माल लेने पहुंचे थे। मंदसौर पुलिस अब पूरी चेन तलाश रही है। एएसपी विनोद मीणा की टीम ने समाजवाद नगर निवासी शोभित पिता शुभम कोटे, विश्वास उर्फ नाता पिता अशोक राठौर और नेहरु नगर निवासी दीपेंद्र पिता शैलेंद्र को पकड़ा है।

एनसीआरबी के ये आंकड़े ऐसे समय में सामने आए हैं, जब आंध्र प्रदेश में साइबर अपराधों में भी बढ़ोतरी देखी जा रही है। हालिया अपराध आंकड़ों से पता चला है कि राज्य में साइबर अपराध के मामलों में काफी बढ़ोतरी हुई है, जिसमें ऑनलाइन धोखाधड़ी सबसे प्रमुख अपराध श्रेणी के रूप में उभरी है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि फेक न्यूज़ फैलाने से अक्सर सांप्रदायिक तनाव, लोगों में घबराहट और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचता है, जिसके चलते डिजिटल प्लेटफॉर्म की कड़ी निगरानी की ज़रूरत बढ़ गई है। हम गलत खबरों और फेक न्यूज़ व जानकारी साझा करने के प्रति 'ज़ीरो टॉलरेंस' (बिल्कुल भी बदो़शत न करने की) नीति लागू कर रहे हैं।

सभी ज़िला इकाई अधिकारियों और कमिश्नरेट को निर्देश दिया गया है कि वे तुरंत एक व्यापक 'साइबर स्वीप' और गहन 'इंटेलिजेंस-मैपिंग' अभियान चलाएँ, ताकि राज्य के भीतर सक्रिय या राज्य को निशाना बनाने वाले ऐसे हर आपत्तिजनक और गैर-कानूनी हैंडल/व्यक्ति की पहचान की जा सके।

अधिकारियों का होना अनिवार्य है। मरीजों के साथ आए लोगों ने आरोप लगाया कि नेफ्रोलॉजिस्ट महीने में सिर्फ एक बार आते हैं, और पिछले तीन महीनों से कोई भी ड्यूटी डॉक्टर मौजूद नहीं रहा है। काकीनाडा जीजीएच के प्रभारी अशिक्षक डॉ। श्रीनिवासन ने टीएनआईई को बताया कि डायलिसिस यूनिट का नियंत्रण डीएमई के पास है, न कि काकीनाडा जिला जीजीएच के पास। उन्होंने कहा कि एनटीआर वैद्य सेवा के जिला समन्वयक इस यूनिट की निगरानी करते हैं, और पीजीआरएस याचिका को डीएमई के पास भेज दिया जाएगा। एनटीआर वैद्य सेवा के जिला समन्वयक डॉ। पसपुलेटी राधा कृष्ण ने बताया कि इन मौतों से जुड़ी कई कमियां सामने आई हैं। उन्होंने कहा कि इन कमियों की रिपोर्ट जल्द से जल्द कलेक्टर और डीएमई को भेजी जाएगी।

मंजूर कर ली। मामले की अगली सुनवाई 10 जुलाई को होगी। जमानत मिलने के बाद मीडिया से कारोबारी रॉबर्ट वाड़ा ने कहा कि मुझे इस देश की न्यायिक व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। मुझे पता है कि ईडी को सरकार चला रही है और ईडी सरकार के इशारों पर ही काम करती रहेगी। इसलिए, ईडी की तरफ से यह रवैया सही नहीं है। लेकिन मुझे देश की न्यायिक व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। मैं यहीं हूं, मेरे पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। इसलिए, मैं हमेशा यहीं रहूंगा और सभी सवालों के जवाब दूंगा। जो भी औपचारिकताएं हैं, मैं उन्हें पूरा करूंगा। उन्होंने कहा कि अगर हम चुनाव जीत रहे हैं, अगर हम अच्छा काम कर रहे हैं और लोग अब भी मेरे परिवार को चाहते हैं, तो जाहिर है कि मुझे इन सब चीजों का सामना करना ही पड़ेगा। मुझे इसका सामना करने की पूरी हिम्मत है। मैं निडर हूं और मेरे पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। बता दें कि शिकोहपुर जमीन सौदे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पेश हुए, जहां उन्हें कोर्ट से 50,000 रुपये के मुचलक पर जमानत दे दी गई। राउज एवेन्यू कोर्ट में वाड़ा के वकील ने अपनी दलील में कहा कि इस मामले में उन्हें पहले कभी गिरफ्तार नहीं किया गया था, इसलिए उन्हें जमानत दी जानी चाहिए। अदालत ने उनकी दलील सुनने के बाद जमानत

अंतरराष्ट्रीय साइबर टग गिरोह का पर्दाफाश, 132 आरोपी गिरफ्तार; एक करोड़ कैश बरामद

लुधियाना, 16 मई (एजेंसियां)। लुधियाना पुलिस ने कॉल सेंटर की आड़ में चल रहे अंतरराष्ट्रीय साइबर टग गिरोह का भंडाफोड़ किया है। आरोपी फर्जी वायरस अलर्ट भेजकर विदेशी नागरिकों को निशाना बनाते थे और उनसे नकदी, सोना व महंगे गिफ्ट उग लेते थे। पुलिस ने इस गिरोह के 132 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मास्टरमाइंड फिलहाल दिल्ली और गुजरात में बैठे हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की विशेष टीम ने रवाना हो चुकी है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने 1.07 करोड़ रुपये की नकदी, 98 लैपटॉप, 229 मोबाइल फोन और 19 लगजरी गाड़ियां जब्त की हैं। वहीं,

जमीन विवाद पर युवक को गोली मारी

ग्वालियर, 16 मई (एजेंसियां)। ग्वालियर में शनिवार को युवक पर हमला और फायरिंग की घटना से सनसनी फैल गई। थाटीपुरा थाना क्षेत्र स्थित पीएमडी चौखे पर बाइक सवार बदमाशों ने युवक को घेरकर पहले लाठी-डंडों से पीटा और फिर उस पर गोलियां चला दीं। गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल युवक की पहचान रामवीर गुर्जर के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक रामवीर पीएमडी चौखहे के पास सड़क किनारे खड़ा था। तभी आधा दर्जन से अधिक बदमाश बाइक से वहां पहुंचे और उस पर हमला कर दिया। बदमाशों ने पहले लाठी-डंडों से मारपीट की और फिर फायरिंग कर दी। फायरिंग में रामवीर के शरीर पर छर्रे लगे हैं,



वर्ष-31 अंक : 46 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) अधिक च्येष्ठ शु.1 2083 रविवार, 17 मई-2026

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH



प्रधान संपादक - डॉ. गिरिश कुमार संधी हैदराबाद * पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

दुनिया के लिए आपदाओं का दशक : मोदी एनटीए की एक्सपर्ट टीचर निकली मास्टरमाइंड

हेग, 16 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नीदरलैंड देश पर हैं। उन्होंने द हेग में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए दुनिया के मौजूदा हालात पर चिंता जताई। मोदी ने कहा कि आज मानवता के सामने कई बड़ी चुनौतियां हैं। ये दशक आपदाओं का दशक बन गया है। दुनिया पहले कोरोना, फिर युद्ध और अब ऊर्जा संकट से जुड़ रही है। अगर हालात नहीं बदले तो बीते कई दशकों के काम पर पानी फिर जाएगा और दुनिया की बहुत बड़ी आबादी गरीबी के दलदल में फंस जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीदरलैंड की यात्रा पर हैं। उन्होंने 'द हेग' में भारतीय समुदाय के लोगों से बातचीत की। इस दौरान अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए उन्होंने कहा, इतना प्यार और उत्साह... सच कहूँ तो कुछ देर के लिए मैं भूल ही गया था कि मैं नीदरलैंड में हूँ। ऐसे लग रहा है कि जैसे भारत में ही कहीं कोई फेस्टिवल चल रहा है।

नीदरलैंड ट्यूलिप तो भारत कमल के लिए जाना जाता है :

नीदरलैंड को ट्यूलिप की धरती कहा जाता है और इन खूबसूरत फूलों को देखने

पहले कोरोना फिर युद्ध अब ऊर्जा संकट, हालात नहीं बदले तो गरीबी के दलदल में फँसेंगे



के लिए दुनियाभर से लोग वहाँ पहुँचते हैं। भारत में भी फूलों की यह खूबसूरत परंपरा दिखती है, खासकर श्रीनगर के ट्यूलिप गार्डन में। जैसे नीदरलैंड की पहचान ट्यूलिप से जुड़ी है, वैसे ही भारत की पहचान कमल से भी गहराई से जुड़ी हुई है। ट्यूलिप और कमल दोनों फूल हमें बताते हैं कि जड़ें चाहे पानी में हों या धरती पर अगर सही पोषण

मिले तो सुंदरता भी मिलती है और स्ट्रेंथ भी आ जाती है। भारतीय समुदाय के योगदान पर गौरवान्वित होते हुए पीएम मोदी ने कहा, आप नीदरलैंड के समाज और यहां की इकोनॉमी में जो आपकी देन हैं उस पर हर भारतवासी को गर्व है। मैं आज इस अवसर पर नीदरलैंड की जनता और सरकार का आभार व्यक्त करता हूँ। मैं यहां की जनता

को 140 करोड़ भारतवासियों की तरफ से अपनी शुभकामनाएं देता हूँ।

भारत की विविध संस्कृति अपने लोगों के दिलों में धड़कती है :

प्रधानमंत्री ने इस दौरान भारत की विश्व को देन और भारतीय संस्कृति का उल्लेख करते हुए आगे कहा, यहां बैठे अनेक परिवारों की कहानी प्रवासन की कहानी नहीं, यह सांस्कृतिक आस्था के बीच तमाम संघर्षों के बीच प्रगति की कहानी है। उस दौर में जब किसी ने सोचा नहीं था कि दो महासागर पार करने के बाद भी भारतीयों की पहचान इतनी जीवंत रहेगी। आपके पूर्वज बहुत कुछ पीछे छोड़ गए, लेकिन कुछ चीजें उनके साथ रहीं, अपनी मिट्टी की खुशबू, त्योहार की संस्कृति, भजन की धुनें और पूर्वजों के संस्कार। समय के साथ अनेक संस्कृतियां मिट गईं लेकिन भारत की विविध संस्कृति अपने लोगों के दिलों में धड़कती है। हेग में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने 2014 के लोकसभा फैसले की सराहना की, जब उनके नेतृत्व में एनटीए सरकार ने पहली बार सत्ता संभाली थी।

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2026 एक बार फिर सवालों के घेर में है। लाखों छात्रों के भविष्य से जुड़े इस पेपर लीक कांड में सीबीआई ने ऐसा खुलासा किया है जिसने पूरे शिक्षा तंत्र को हिला दिया है।

जांच एजेंसी ने उस महिला की पहचान कर ली है, जिसे बायोलाजी प्रश्न पत्र लीक का मास्टरमाइंड माना जा रहा है। पुणे की सीनियर बॉटनी टीचर मनीषा गुरुनाथ मंधारे को दिल्ली में गिरफ्तार कर लिया गया है। चौकाने वाली बात यह है कि वह खुद एनटीए की ओर से नियुक्त एक्सपर्ट थीं और उन्हें प्रश्न पत्रों तक सीधी पहुंच हासिल थी। सीबीआई के मुताबिक, मनीषा मंधारे परीक्षा प्रक्रिया का अहम हिस्सा थीं। उन्हें बॉटनी और जूलॉजी विषयों के प्रश्न पत्रों तक विशेष पहुंच मिली हुई थी। आरोप है कि उन्होंने इसी जिम्मेदारी का

सीबीआई जांच में खुली साजिश

गलत फायदा उठाकर परीक्षा से पहले चुनिंदा सवाल बाहर पहुंचाए। जांच में यह भी सामने आया है कि उन्होंने गोपनीय जानकारी को व्यवस्थित तरीके से छात्रों तक पहुंचाने के लिए पूरा नेटवर्क तैयार किया था।

पुणे में चलती थीं 'सीक्रेट नीट क्लासेस' :

जांच एजेंसी के अनुसार, अप्रैल 2026 के दौरान मनीषा मंधारे ने पुणे की मनीषा वाधमारे के जरिए संभावित उम्मीदवारों को इकट्ठा किया। इसके बाद अपने घर पर विशेष कोचिंग सेशन आयोजित किए गए। इन क्लासों में छात्रों को बॉटनी और जूलॉजी के कई महत्वपूर्ण सवाल समझाए गए, उन्हें नोटबुक में लिखवाया गया और किताबों में मार्क तक करवाया गया। बाद में यही सवाल 3 मई 2026 को

आयोजित वास्तविक नीट-यूजी परीक्षा में देखने को मिले।

सीबीआई के हाथ लगे बड़े सबूत सीबीआई ने पिछले 24 घंटों में देशभर के 6 अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज, लैपटॉप, मोबाइल फोन और बैंक स्टेटमेंट जब्त किए गए हैं। एजेंसी अब डिजिटल डेटा और पैसों के लेन-देन की जांच कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि पेपर लीक के बदले कितनी रकम ली गई और इस नेटवर्क में कितने लोग शामिल थे। अब तक इस मामले में दिल्ली, जयपुर, गुरुग्राम, नासिक, पुणे और अहमदाबाद से कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इनमें से 5 आरोपियों को अदालत ने 7 दिनों की पुलिस रिमांड पर भेजा है। वहीं, हाल ही में गिरफ्तार दो अन्य आरोपियों को पुणे से ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली लाया गया है, जहां उनसे गहन पूछताछ जारी है।

देश में पहली बार कैप्टागन ड्रग जब्त : गृह मंत्री ने एनसीबी को सराहा, एक और नाम जिहादी ड्रग

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज बताया कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने पहली बार कैप्टागन नामक ड्रग की बड़ी खेप जब्त की है, जिसकी कीमत करीब 182 करोड़ रुपये आंकी गई है।

अमित शाह ने कहा कि मध्य पूर्व भेजी जा रही इस ड्रग खेप को जब्त करना और एक विदेशी नागरिक की गिरफ्तारी, नशे के खिलाफ सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति का बड़ा उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार देश में आने वाले या भारत की जमीन का ट्रांजिट रूट के तौर पर इस्तेमाल कर बाहर भेजे जाने वाले हर तरह के नशीले



पदार्थों पर सख्त कार्रवाई जारी रखेगी। गृह मंत्री ने इस ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए एनसीबी अधिकारियों और जवानों की सतर्कता और बहादुरी की सराहना भी की।

733 ड्रग तस्कर गिरफ्तार जम्मू और कश्मीर में पिछले 28 दिनों में ड्रग तस्करी नेटवर्क से जुड़े 733 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस दौरान आरोपी ड्रग पेडलर्स के 47 घरों पर बलडोजर चलाया गया। अपराधियों की आवाजाही रोकने के लिए 373 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए गए और नियमों का उल्लंघन करने पर 114 केमिस्ट दुकानों के लाइसेंस भी सस्पेंड कर दिए गए हैं।

ज्यादा बच्चे पैदा करने पर मिलेगा पैसा!

अमरावती, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने आज राज्य में घटती जनसंख्या दर को रोकने के लिए बड़ा ऐलान किया। श्रीकाकुलम जिले के नरसन्नपेटा में आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान नायडू ने कहा कि तीसरे बच्चे के जन्म पर परिवार को 30 हजार रुपये और चौथे बच्चे पर 40 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। सरकार अगले एक महीने में इस योजना का विस्तृत खाका जारी करेगी।

स्वच्छता कार्यक्रम के मंच से किया ऐलान मुख्यमंत्री ने यह घोषणा स्वर्गांध्र-स्वच्छआंध्र कार्यक्रम के दौरान की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अब जनसंख्या वृद्धि

तीसरे बच्चे पर 30 हजार, चौथे पर 40 हजार देने का ऐलान

को बढ़ावा देने की दिशा में काम करेगी। नायडू ने कहा, मैंने नया फैसला लिया है। तीसरे बच्चे के जन्म पर 30 हजार रुपये और चौथे बच्चे पर 40 हजार रुपये दिए जाएंगे। क्या यह सही फैसला नहीं है?

पहले जनसंख्या नियंत्रण

की करते थे बकालत दिलचस्प बात यह है कि चंद्रबाबू नायडू पहले जनसंख्या नियंत्रण के समर्थक माने जाते थे। लेकिन अब उन्होंने कहा कि समय बदल चुका है और समाज को जन्म दर बढ़ाने के लिए मिलकर काम करना होगा।



की प्रोत्साहन राशि देने पर विचार कर रही है। हालांकि बाद में स्वास्थ्य मंत्री सत्या कुमार यादव ने कहा कि सरकार अब तीसरे और उससे अधिक बच्चों वाले परिवारों को भी प्रोत्साहन देने का फैसला कर चुकी है। घटती जन्म दर पर जताई चिंता :

इससे पहले सरकार दूसरे बच्चे के जन्म पर 25 हजार रुपये देने की योजना पर भी विचार कर रही थी। 5 मार्च को विधानसभा में मुख्यमंत्री ने बताया था कि राज्य सरकार दूसरे बच्चे के जन्म पर 25 हजार रुपये आबादी स्थिर बनाए रखने के लिए कुल प्रजनन दर (टीएफआर) 2.1 होना जरूरी है। यानी औसतन हर महिला के दो से अधिक बच्चे होने चाहिए। उन्होंने दावा किया कि कई देशों में घटती आबादी और बुजुर्ग होती जनसंख्या ने अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाया है।

नायडू ने कहा कि आय बढ़ने के साथ कई दंपति केवल एक बच्चा पैदा करने का फैसला कर रहे हैं। वहीं कुछ परिवार तब तक दूसरा बच्चा नहीं चाहते जब तक पहला बेटा न हो। उन्होंने चेतावनी दी कि इन कारणों से राज्य की जनसंख्या वृद्धि दर लगातार घट रही है।

क्यों जरूरी है 2.1 की प्रजनन दर : मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी समाज की आबादी स्थिर बनाए रखने के लिए कुल प्रजनन दर (टीएफआर) 2.1 होना जरूरी है। यानी औसतन हर महिला के दो से अधिक बच्चे होने चाहिए। उन्होंने दावा किया कि कई देशों में घटती आबादी और बुजुर्ग होती जनसंख्या ने अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाया है।

नीट विवाद : राहुल का केंद्र पर बड़ा हमला

पेपर लीक गठजोड़ का नतीजा, शिक्षा मंत्री से इस्तीफे की मांग



नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। मेडिकल प्रवेश परीक्षा में हुए कथित घोटाले को लेकर देश भर में मचा बवाल थमता नजर नहीं आ रहा है। इस संवेदनशील मुद्दे पर अब राजनीति पूरी तरह गरमा गई है। लाखों छात्रों के भविष्य पर खतरा मंडरा रहा है।

इस बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपनी बात रखी है। राहुल गांधी ने साफ तौर पर कहा कि यह पेपर लीक कोई साधारण चूक या प्रशासनिक गलती नहीं है। यह भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से व्यवस्था में बिठाए गए अयोग्य प्रोफेसर के गठजोड़ का नतीजा है। राहुल गांधी ने यह गंभीर आरोप ऐसे समय में लगाया है जब देश के कोने-कोने से छात्र और उनके अभिभावक चिलचिलाती धूप में सड़कों पर उतर कर न्याय की गुहार लगा रहे हैं। कांग्रेस नेता का कहना है कि वर्तमान सरकार ने देश के सभी प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों और परीक्षा करने वाली एजेंसियों पर अपनी विचारधारा वाले लोगों को काबिज कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मेरिट और योग्यता को पूरी तरह दरकिनार कर दिया गया है। जब सिर्फ निष्ठा के आधार पर नियुक्तियां की जाती हैं, तो पूरा सिस्टम खोखला हो जाता है।

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने पाँक्सो केस में आरोपी बेटे बी. भगीरथ को पुलिस को सौंप दिया है। केंद्रीय मंत्री ने शनिवार को कहा कि कानून के सामने सभी बराबर हैं। हालांकि मंत्री के बयान के आधे घंटे बाद ही तेलंगाना पुलिस ने कहा- आरोपी भगीरथ को हैदराबाद शहर के बाहरी इलाके से पकड़ा गया है। यह सरेंडर नहीं है। इस मामले में पुलिस ने भगीरथ के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया था, ताकि वे देश छोड़कर न जा सके। यह मामला 17 साल की लड़की की मां की शिकायत पर दर्ज हुआ है। आरोप है कि भगीरथ ने शारीरिक वार्ता कर नाबालिग लड़की का यौन

केंद्रीय मंत्री बोले- बेटे को पुलिस के हवाले किया पुलिस बोली- सरेंडर नहीं, हमने पकड़ा, पाँक्सो मामले में लुकआउट नोटिस जारी हुआ था

शोषण किया। पुलिस ने 8 मई को पाँक्सो एक्ट और बीएनएस की धाराओं में केस दर्ज किया था। तेलंगाना हाईकोर्ट ने शुक्रवार को भगीरथ को गिरफ्तारी से राहत देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद उन्हें पुलिस के हवाले किया गया। भगीरथ ने भी लड़की के परिवार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि लड़की के परिवार ने शादी और पैसों के लिए दबाव बनाया और 5 करोड़ रुपये मांगे। इससे पहले शुक्रवार को तेलंगाना हाईकोर्ट ने भगीरथ की गिरफ्तारी पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था। जस्टिस टी माधवी देवी ने शुक्रवार शाम याचिका पर सुनवाई की।

सुनवाई करीब आधी रात तक चली। उनकी अंतरिम अग्रिम जमानत याचिका पर अब अगली वेकेशन कोर्ट में आदेश आएगा। कोर्ट में दोनों पक्षों ने क्या कहा... पंडित पक्ष- आरोपी का परिवार प्रभावशाली है, इससे सबूतों से छेड़छाड़ की आशंका है। आरोपी को कोई राहत न दी जाए। बचाव पक्ष: अदालत के पास अंतिम सुनवाई तक अंतरिम जमानत देने का अधिकार है। शिकायतकर्ता ने खुद माना है कि उनकी बेटी 2025 से आरोपी के साथ रिश्ते में थी। लड़की के परिवार ने शादी का दबाव बनाया था। 50 हजार रुपये लेने के बाद 5 करोड़ रुपये मांगे और झूठे केस में फंसाने की धमकी दी।

नाबालिग से सात-आठ महीने से संपर्क में थे भगीरथ : दरअसल, नाबालिग की मां का आरोप है कि भगीरथ उनकी बेटी के साथ रिलेशनशिप में था और इस दौरान उसका यौन उत्पीड़न किया। पुलिस के मुताबिक दोनों पिछले सात-आठ महीनों से संपर्क में थे। हालांकि भगीरथ ने आरोपों से इनकार किया है। उन्होंने तेलंगाना के करीमनगर में हनी ट्रेप और उगाही की शिकायत दर्ज कराई है। मंत्री के पीआरओ की ओर से जारी बयान में दावा किया गया कि एक महिला ने अपनी बेटी के जरिए भगीरथ को फंसाने की कोशिश की और बाद में बड़ी रकम मांगकर ब्लैकमेल किया।

तमिलनाडु सरकार में विभागों का बंटवारा

सीएम विजय के पास रहेगी गृह और प्रशासन की कमान

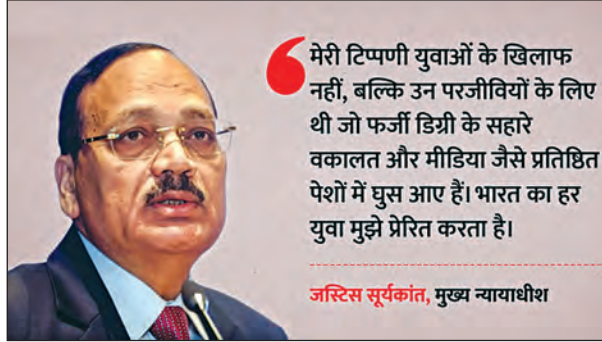
चेन्नई, 16 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की अध्यक्षता वाली कैबिनेट में मंत्रियों के विभागों की घोषणा कर दी गई है। विजय ने गृह, पुलिस और महिला एवं बाल कल्याण सहित कुछ सबसे शक्तिशाली विभागों को बरकरार रखा है, जबकि वरिष्ठ टीवीके नेता के ए. सेंगोत्तैयान को वित्त मंत्रालय के साथ-साथ पेंशन और पेंशन भत्ते का प्रभार सौंपा गया है।

विजय के सबसे करीबी सहयोगी और टीवीके के संस्थापक पदाधिकारियों में से एक माने जाने वाले नेता 'बुस्सी' एन. आनंद को ग्रामीण विकास और जल विभाग सौंपा गया है। सबसे कम उम्र की मंत्री सेल्वी एस कीर्तना को उद्योग मंत्रालय का पोर्टफोलियो मिला है। एक महिला मंत्री को इतना महत्वपूर्ण विभाग आवंटित किए जाने से तमिलनाडु के राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है। आध्व अर्जुन लोक निर्माण एवं खेल विकास मंत्री बने। वे भवन निर्माण, राजमार्ग और लघु बंदरगाहों सहित लोक निर्माण कार्यों के साथ-साथ खेल विकास की देखरेख करेंगे। डॉ. के.जी. अश्वराज को स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा और परिवार कल्याण विभाग आवंटित किए गए। पी. वेङ्करमनन खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री बने। आर निर्मलकुमार को ऊर्जा संसाधन और कानून विभाग का प्रभार दिया गया था।



'मैंने फर्जी डिग्री वालों की आलोचना की' सीजेआई सूर्यकांत की 'कॉकोरोच' वाले बयान पर सफाई, कहा-युवाओं पर मुझे गर्व

सीजेआई सूर्यकांत की 'कॉकोरोच' वाले बयान पर सफाई, कहा-युवाओं पर मुझे गर्व



मेरी टिप्पणी युवाओं के खिलाफ नहीं, बल्कि उन परजीवियों के लिए थी जो फर्जी डिग्री के सहारे वकालत और मीडिया जैसे प्रतिष्ठित पेशों में घुस आए हैं। भारत का हर युवा मुझे प्रेरित करता है।

जस्टिस सूर्यकांत, मुख्य न्यायाधीश

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कल युवा पीढ़ी को लेकर दिए गए अपने एक बयान पर मंच बवाल के बाद आज स्थिति पूरी तरह स्पष्ट कर दी है। मीडिया के एक वर्ग की ओर से उनके मौखिक बयान को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाते हुए सीजेआई ने पीड़ा व्यक्त की है। उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि उनकी टिप्पणी देश के युवाओं के खिलाफ नहीं, बल्कि फर्जी डिग्री के सहारे व्यवस्था में घुसने वाले परजीवियों के खिलाफ थी।

मुख्य न्यायाधीश की सफाई : मुख्य न्यायाधीश ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, मुझे

बेबुनियाद है कि मैंने हमारे देश के युवाओं की आलोचना की। मुझे न केवल हमारे वर्तमान और भविष्य के मानव संसाधन पर गर्व है, बल्कि भारत का हर युवा मुझे प्रेरित करता है। यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारतीय युवाओं के मन में मेरे लिए बहुत सम्मान है, और मैं भी उन्हें विकसित भारत के स्तंभ के रूप में देखता हूँ।

सीजेआई ने क्या कहा था : बताते चलें कि इससे पहले सीजेआई सूर्यकांत ने सुनवाई के दौरान वकीलों और अन्य पेशे में आ रही गिरावट पर चिंता जताते हुए बहुत ही कड़े शब्दों का इस्तेमाल किया था। कोर्ट रूम में उन्होंने कहा था कि समाज में पहले से ही ऐसे परजीवी हैं, जो सिस्टम पर हमला करते हैं और आप उनसे हाथ मिलाना चाहते हैं? कई युवा कॉकोरोच की तरह हैं, जिन्हें न तो कोई नौकरी मिलती है और न ही पेशे में कोई जगह। उनमें से कुछ मीडिया में चले जाते हैं। कुछ सोशल मीडिया कार्यकर्ता बन जाते हैं। कुछ आरटीआई कार्यकर्ता और फिर वे हर किसी पर हमला करने लगते हैं।



कोलकाता, 16 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में पार्टी कार्यकर्ताओं से टीएमसी के संगठन को नए सिरे से खड़ा करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि हम पार्टी दफ्तरों को दोबारा खोलेंगे, उन्हें रंगों और मजबूती से काम पर लौटाएंगे। जबरन पड़ी तो मैं खुद भी दफ्तरों को पेंट करने के लिए तैयार हूँ। इसके बाद उन्होंने कहा कि जो लोग दूसरी पार्टियों में जाना चाहते हैं, वे पूरी तरह आजाद हैं और वे किसी को भी जबरदस्ती रोक कर रखने में यकीन नहीं रखतीं। बैठक के दौरान ममता के भतीजे और पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी भी मौजूद थे।

ममता ने कहा-जनादेश लूटा गया : बैठक में ममता ने कहा कि चुनाव के नतीजों में भले ही टीएमसी को 80 सीटें मिली हों, लेकिन यह जनादेश की लूट है। इससे उनका हौसला नहीं टूटेगा। 21 मई को फालता सीट पर होने वाले उपचुनाव के उम्मीदवार भी मौजूद थे। दरअसल, फालता में 29 अप्रैल को वोटिंग हुई थी, लेकिन ईवीएम छेड़खानी के आरोपों के बाद चुनाव आयोग ने वहां दोबारा वोटिंग कराने का फैसला किया। 4 मई को आए 293 सीटों के नतीजों में भाजपा को 207 सीटें मिली थीं। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा, बंगाल में सीटों पर जीत का अंतर एसआईआर में कटे वोटों से कम मामले में ममता बनर्जी और अन्य लोग नई याचिकाएं दाखिल कर सकते हैं।

सीएम शूवेंदु के तीखे तेवर दंगाइयों से होगी नुकसान की वसूली

अभिषेक बनर्जी की कंपनियों पर भी जांच के आदेश

कोलकाता, 16 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की सत्ता संभालने के बाद मुख्यमंत्री शूवेंदु अधिकारी ने सीधे तौर पर तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कई बड़े ऐलान किए। उन्होंने कहा कि फाल्ता में दोबारा मतदान कराया जाएगा। वहां के वोटों को पिछले 10 साल से लोग नहीं डालने दिया गया है। इस कदम से वहां के मतदाताओं के लोकतांत्रिक अधिकारों की बहाली होगी। पिछली हिंसा पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश :

मुख्यमंत्री शूवेंदु अधिकारी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाया कि वह अतीत को भूले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हम कार्यकर्ताओं पर हुए टीएमसी के अत्याचारों को भूलें नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने पुलिस को निर्देश दिया है कि पिछली राजनीतिक हिंसा और अपराधों के मामलों में तुरंत एफआईआर दर्ज की जाए। इसके



हमारे पास अभिषेक बनर्जी की कंपनी की संपत्तियों की सूची आ चुकी है, जिसकी जांच होगी। सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और नुकसान की पाई-पाई उपद्रवियों से वसूली जाएगी।

शूवेंदु अधिकारी, मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

साथ ही, उन्होंने केंद्रीय योजनाओं के फंड में हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच के भी आदेश दिए हैं। केंद्रीय

योजनाओं के धन के दुरुपयोग को लेकर पुलिस को शिकायत दर्ज करने को कहा गया है।

अभिषेक बनर्जी पर कसेगा शिकंजा

डायमंड हार्बर में बोलते हुए मुख्यमंत्री अधिकारी ने टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि उनके पास अभिषेक बनर्जी की कंपनी 'लिप्स एंड बाउंड्स' की संपत्तियों की पूरी सूची आ चुकी है। इस कंपनी की संपत्तियों की गहराई से जांच की जाएगी। मुख्यमंत्री ने बंगाल के इस सियासी बदलाव को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि यह केवल नई सरकार का आना नहीं है, बल्कि बंगाल की जनता के लिए यह दूसरी आजादी की तरह है।





अतुल कुमार

भक्त कवियों का आज भी वही महत्व है , जो छः शताब्दी पूर्व रहा .इन महान कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज और व्यक्ति कि हर उस कमी और कुरीति पर लिखा जिसने उनकी आंखों पर पड़े परदे को हटाया . सामाजिक ,सांस्कृतिक और नैतिक धरातल पर एक युगांतर कारी योगदान को छोडा . उनका लिखा साहित्य आज अधिक प्रासंगिक और 'पठनीय है . उस काल के कवियों ने लोक मंगल से जुडी रचनाओं को ऐसे शब्दबद्ध किया कि वह कालजयी बनी . सोचिये ! क्या अद्भुत साहित्य उस युग में लिखा गया जो साहित्य की अनमोल धरोहर बना आज भी वह साहित्य आज ,पढाया और पावन माना जाता है . उसने मनुष्य की भावनाओं को मानसिक तथा भावनात्मक रूप से प्रभावित किया . ईश्वर के प्रति आत्मसमर्पण और अहंकार को त्यागना ही सच्ची भक्ति माना गया .जीवन में ऐश्वर्य , धन और वैभव को क्षणिक माना और मनुष्य को ज़िंदगी की हकीकत से रूबरू करवाया .

परिवार दिवस

परिवार जीवन की जड़ है यह जीवन का एक ऐसा बाग है जिसमें तरह-तरह के फूल रिश्तों के रूप में सजे होते हैं। इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी परिवार के हर सदस्यकी होती है तभी परिवार रूपी इस बाग की हरियाली बरकरार रहती है। एक खुशहाल परिवार एकजुट होकर तभी रह सकता है,जब परिवार का मुखिया परिवार के सभी जनको समान भावसे देखे जिसमें कभी किसी रिश्ते के साथ कोई विवाद भी हो जाए तो उसे आपस में मिल बैठ कर सुलझाने काप्रयासकरनाचाहिए परिवार एक मंदिर की तरह होता है, इसलिए हमें इसकी स्वच्छता का भी मिल जुलकर हमेशा ध्यान रखना चाहिए । हमें अपने परिवार में कभी भी बाहरी लोगों को दखल अंदाजी नहीं करने देना चाहिए, इससे परिवार की एकता बनी रहती है परिवार की महत्ता को जानिये इसको हमेशा दिमाग से ही नहीं बल्कि दिल से भी पहचानिये क्योंकि,परिवार से ही जीवन है । इसीलिए कहा भी गया है--- बंद मुट्ठी लाख की खुल गई तो खाक की ।।

सात अपीलें

प्यारे देशवासियों से करबद्ध गुहार फिर एकबार लगाई, आ. प्रधानमंत्री मोदी जी की सात अपीलें सामने आईं, समय की मांग और सुझबूझ से काम लिया जाए भाई, वैश्विक खतरे के संकेत मंडराते दे रहे हैं हमें दिखाई । युद्ध की वजह से तेजी से बढ़ रहे कच्चे तेलों के दाम, आगामी घड़ी में वित्तीय संकट से सुरक्षित हो आवाम, विशेष तैयारी के साथ करने होंगे कुछ महत्वपूर्ण काम, अर्थव्यवस्था भी न डगमगाएँ किया जाएँ ऐसा इंतजाम । इधन कमी के अनिश्चित संकट से हताहत पूरा जगत, डीजल पेट्रोल गैस की करो बुद्धिमानी से अब बचत, सोना मत खरीदो विदेशी यात्राओं को दो विराम सखा, खान-पान करो संतुलित आ गया है संभलने का वक्त । जहाँ हो संभव वक़े फ़्राम होम के लिए हो आप तैयार, मेड इन इंडिया स्वदेशी उत्पादों के बने ज्यादा खरीदार, खाद्य तेल में 10% तक की कटौती भी होगी असरदार, सचेत हो अंजाने संकट को आनंदरं से कर सकेंगे पार। रसायनों का आयात हो कम प्राकृतिक खेती का निर्णय, सावधानी हटी दुर्घटना घटी क्षण में आ सकता है प्रलय, लड़ने-झगड़ने छोटाकशी का नहीं हैं ये कीमती समय, सौ दवा से एक परहेज अच्छा आपसे है स्नेहमय विनय।

एक शाम : समुद्र और मैं

मैं और समुद्र मिले हैं कई बार हर बार मुझे अजनबी सा देखाता है समुद्र दिखने में बाहर मैं उद्बलित क़्रोधी लगता हूँ लेकिन अंदर शांत और निर्मल होता हूँ बार-बार कहता है मुझसे समुद्र इस बात पर विश्वास करने को कहता है जब मैं बताता हूँ तुम्हारी तरह नहीं बाहर निर्मल सा दिखता हूँ लेकिन अंदर कई खाइयां और आघात भरे हैं तो समुद्र विश्वास करता ही नहीं । जब मिलते हैं आमने-सामने हम लगता है एक दूसरे के सामने आईना रखा हो

भगवान वैकटेश्वर के अनन्य भक्त : संत अन्नामाचार्य

प्रेम ही ईश्वर है कि भावना को मजबूत किया .संत कबीर दास ने लिखा “ पोथी पढी – पढी जग मुआ ,पंडित भया न कोई / ढाई आखर प्रेम का ,पढे से पंडित होई // तो संत सूरदास ने लिखा “ भक्ति प्रेम का वह सागर है जिसमें डूब कर आत्मा – परमात्मा से मिल जाती है “ भक्ति आंदोलन ने सिद्ध किया कि सेवा , सुमिरन और समानता ही भक्ति का मूल है . इस आंदोलन ने जात –पात और आडंबरों को दरकिनार किया और जन भाषा में ऐसे भक्ति साहित्य को लिखा जो भक्ति का कंठाहार बना . इसने सामाजिक समरसता , बंधुत्व तथा एकता को बढावा दिया जो आराधना का अमृत बना . इसी क्रम में एक प्रमुख तेलुगु पद कवि ,संगीतकार और संत अन्नामाचार्य थे जिन्हें पद कविता के पितामह के रूप में जाना गया . 15 वीं सदी के महान संत कवि थे जिन्होंने भगवान वैकटेश्वर की स्तुति में 36000 से अधिक संकीर्तन (गीत) लिखे जिसे तेलुगु साहित्य में प्रमुख स्थान प्राप्त है . भगवान तिरुपति की स्तुति में अपने संकीर्तनों के माध्यम से उनकी महिमा को दुनिया भर में फैलाया .



. विद्वानों के अनुसार अन्नामाचार्य ने मध्य काल में जाति बाधाओं को तोड़ समानतावादी समाज का मार्ग प्रशस्त किया .उनका पूरा नाम तल्लापाका अन्नामाचार्य था . वह भगवान वैंकटेश्वर के परम भक्त थे उनको संकीर्तनाचार्य के रूप में जाना गया . बताया जाता है कि बचपन में एक बार घास काटते समय उनके हाथ में चोट लग

गयी और दर्द से तड़पते हुए उन्होंने भगवान को पुकारा तब उन्हें “ गोविंदा – गोविंदा “ दिव्य संगीत सुनायी दिया .इस अनुभव के बाद वह पूरी तरह से भगवान वैंकटेश्वर की भक्ति में लीन हो गये . प्रसंगानुसार उनके जीवन में एक ऐसा समय आया जब वह तिरुमला की पहाडियों में भटक गये भूख – प्यास से व्यकुल थे तब उनको

माता पद्मावती के दर्शन हुए देवी ने उनको साक्षात भगवान बालाजी का प्रसाद खिलाया जिसके बाद उनको आध्यात्मिक ज्ञान और काव्य रचना की अलौकिक शक्ति प्राप्त हुई . प्रतिदिन भगवान वैंकटेश्वर की स्तुति में फूल की जगह एक कीर्तन लिख उनको अर्पित करते . उनके लिखे गीत श्रंगार रस और भक्ति के अनूठे खोजा गया . संत अन्नामाचार्य के

जीवन की यह घटनाएं दर्शाती हैं कि कैसे एक साधारण व्यक्ति भगवान की सच्ची आराधना कर अमर हो गये .अन्नामाचार्य को तेलुगु में भजन रचनाकारों में प्रथम स्थान प्राप्त है न केवल काल क्रम की दृष्टि से बल्कि उनकी उत्कृष्ट कलात्मकता और भाव विन्यास की व्यापकता के लिये भी . पाद कविता के क्षेत्र में अग्रणी थे और प्रेम व भक्ति दोनों प्रकार की रचनाओं को समान आस्था भाव से लिखा .

कहा कि जीवन का उद्देश्य “ निर्मल मन से नारायण का नाम स्मरण ही परम सुख है बाकी सब माया हैं “ भगवान वैंकटेश्वर की कीर्ती गान करने वाली मेरी जीभ किसी अन्य नश्वर मानव की स्तुति नहीं कर सकती . यह उनके अटूट समर्पण भाव को दर्शाता है . प्रायः कहते “ हे ! प्रभु मैं अपनी सारी रचनाएं आपको ही फूलों की भांति समर्पित करता हूँ मेरा जीवन और मेरी कीर्तन माला सब कुछ आपके चरणों में समर्पित हैं .” उनको आंध्र पद पितामह के रूप में भी जाना जाता है . बताया जाता है कि भगवान वैंकटेश्वर ने उनकी अनन्य भक्ति से प्रसन्न हो उनको साक्षात दर्शन दिये . अन्नामाचार्य का जन्म सन

1408 में कडपा ज़िले के तल्लापका गांव में हुआ . वह 15 वीं सदी के महान तेलुगु संत कवि थे .भक्ति गीतों को जन भाषा में लिखा जिससे घर घर में लोकप्रिय हुए . कहा जाता है कि अन्नामाचार्य के माता –पिता नारायण सूरी और लक्कंबा निःसंतान थे पुत्र प्राप्ति की कामना में वह तिरुमला पर्वत पर भगवान वैंकटेश्वर के दर्शन के लिये गये जहां उन्हें भगवान के दर्शन हुए .इस दिव्य घटना के कुछ समय बाद अन्नामाचार्य का जन्म हुआ . अतः उनको भगवान विष्णु का अंश माना गया . 16 वर्ष की आयु में तिरुपति के लिये निकल पड़े जहां उन्होंने वैंकटेश्वर को समर्पित हो पद रचना शुरु की . उनके लिखे कुछ प्रसिद्ध ग्रंथ हैं “ अदिवो अल्लादिवो श्री हरि वासामु “ (वह स्थान जहां हरि निवास करते हैं) “ कोंडालालो नेलाकोना “ (पर्वतों में निवास करने वाले ईश्वर) और “ ब्रह्मा कादिगिना पदमु “ (भगवान विष्णु (वैंकटेश्वर) के चरणों की महिमा) अन्नामाचार्य की पत्नी तल्लपका तिरुमल्लम्मा भी एक प्रसिद्ध कवियत्री थीं

उन्हें साहित्यिक साहित्य की पहली महिला कवियत्री माना गया .संत अन्नामाचार्य ने भक्ति के जिस अनुपम ,अमिट और अमर योगदान के रूप - स्वरूप को सृजित किया वह 600 साल बाद आज भी भक्तों के लिये भक्ति के अमृत समान है .

काव्य कुंज

चलो तुम जीते मैं हारा अफसोस! न पढ़ सका दिल तुम्हारा चलो कलह का कल्ल यहीं करते हैं

जब तुम सुलझा पाओ और मुझे अफसोस हो इतना मत...
उम्र के दशक जले तो खाक भी न मिल सकी कागजों में तारीखें जो थी उन्हें संभालते रहे सब कुछ लुटा के होश में अब देखते हैं हम दिल फरेब किस कदर अपने मुगालते रहे हाथ में हाथ लिए बहुत दूर निकल आए हैं लेकिन यह क्या देखते हैं बिछोह का दर्द लिए इस तरह देखते रह जाते हैं जाते-जाते मुड़कर देखते हुए भी ।।

मां सबसे खास है

मां सबसे खास है बालक की खुशी में मां का आशीर्वाद है । वह जागती है ताकि बच्चा चैन से सो सके उसे चोट लगने पर वह बेचैन हो जाती है । अपने लिए न जीती है परिवार के सुख में, वह खुश हो जाती है । त्याग भरा जीवन है ममता की मूरत है सृष्टि के कण - कण में मां का ही रूप है ।

तुम्हारी बहुत याद आयेगी सुषमा !

मुस्कान लिए होठों पर अपनी कहानी वह लिखती थी ! शब्दों को सलीके से सहलाकर कभी दुलराकर कभी मुस्कराकर वाक्य विन्यास की गलियों में घूम - घूम और झूम - झूम कर सुंदर कविताएँ वह रचती थी ! बनाकर - रचकर एक परंपरा प्रकाशित पुस्तक हर वर्ष करती थी ! नये शब्दों का प्रयोग कर वह स्वरचित , मनभावन फिल्मी धुन पर कविसम्मेलन में गीत सुनाती थी !

औरल में शब्दों के मोती चुनकर गीत सरस्वती वंदना के रचती थी प्रेरणा लेकर वह पंच तत्व से असाधारण गीत रच जाती थी ! हर ऋतुओं को सहेज हृदय में शब्दों को खूब चटकाती थी फिर फूलों की बाग्धी में हो सवार ऋतुराज से खूब बतियाती थी ! चैती - फागुन और सावन की वृष्टि में प्रियतम की याद दिलाती थी ! मनमोहक मुस्कान लिए वह पूस की सर्दी में सूर्य उगाती थी ! पतझड़ के सूखे मौसम में वह न्यौता शबनम को दे आती थी ! भर नयनों में इंद्रधनुष की प्रत्यंचा शब्दों से फूल बरसाती थी ! जीवन के कठिन गलियारे में खट्टी - मीठी यादों के दीये भरकर मिठास अपने शब्दों में अक्सर वह आलोकित करती थी ! थी मेरे लिए वह पुलकित पूर्णिमा पर दुनिया के लिए वह थी सुषमा !

संजोकर पीर हृदय के कोने में रहती आह्लादित थी सुषमा !

तुम्हारी कविता , तुम्हारी मुस्कान तुम्हारी बहुत याद आयेगी सुषमा !!

प्यार हर किसी से नहीं होता

प्यार हर किसी से नहीं होता, ये दिल यूं ही किसी पर फिदा नहीं होता। हज़ारों चेहरें मिलते हैं राहों में मगर, हर चेहरा ज़िंदगी का खुदा नहीं होता। कुछ लोग बस मौसम की तरह आते हैं, थोड़ी देर ठहरते हैं, चले जाते हैं। पर कोई एक होता है दुनिया में ऐसा, जो रूह में उतरकर घर बना जाता है। प्यार शब्द नहीं, एक साधना होती है, आँखों में चुपचाप जलती प्रार्थना होती है। जिसे निभाने में उभें गुज़र जाया करती हैं, और लोग समझते हैं कि बस चाहत होती है। हर मुस्कान के पीछे मोहब्बत नहीं होती, हर नज़दीकी में राहत नहीं होती। कुछ रिश्ते भीड़ में खो जाते हैं यूं ही, हर हाथ में किस्मत की लकड़ी नहीं होती। जिसे देखकर दिल को सुकून मिल जाए, जिसकी खामोशी भी गीत बन जाए। जिसके दुख में अपनी सांसें भारी लगें, वही प्यार है, जो इबादत बन जाए। प्यार हर किसी से नहीं होता, ये नसीब वालों की कहानी होता है। जिसे मिल जाए सच्चा हमसफ़र, उसका जीवन ही कविता हो जाता है।

कितना अच्छा होता

सदा दिवाली के दिए जलें तो कितना अच्छा होता अमृत भावना ही प्रवाह हो तो कितना अच्छा होता बिजली नहीं रात भर दिन में बोरिंग के पास कतारें सूखे कुँओं में अगर पानी हो तो कितना अच्छा होता तिल मिलाती धूप से दुनिया तपती रही हर वक्त वक्त पर चार बूंद वर्षा हो तो कितना अच्छा होता बिन पत्तों के रूखे सूखे पेड़ खड़े हैं हर जंगल में पेड़ पौधों की हरियाली हो तो कितना अच्छा होता मानवता के पथ में है मानव बंदूक बम थाम कर बम के बदले एक पौधा हो तो कितना अच्छा होता रास्तीं में कदम कदम पर कांटे ही कांटे बिखरे हैं फूलों के राह में सफर हो तो कितना अच्छा होता आदमियों के बीच नफरत की ज्वाला फैली है एक दूसरे में प्रेम धन हो तो कितना अच्छा होता ।

मत खींचो सीमाएं

शश्य श्यामला इस धरती पर, अब मत खींचो सीमाएं हो सके तो एक सीमा खींच दो सीमाओं के बनने पर । देखो इसने बांट दिए हैं , महादेश को देशों में फिर देशों में राज्य बनाकर खंड खंड कर डाला है ।। इस सीमा ने है जाल बिछाया,इन सागर की लहरों पर पर्वत उच्च शिखर पर भी सीमाओं के बंधन हैं ।। नदी की कल कल धाराओं को, सीमा ने है बांट दिया नीले नभ के राहों पर भी सीमाओं का घेरा है ।। मेरी मानों तो तुम अब निर्माण करो बस राहों का राह जो जोड़ सके महादेश को देशों से ।। एक राज्य को सभी राज्य से ऐसी राह जो आगे बढ़ कर मिले गांव की गलियों से आंगन चौबारों के गले लग हो जाएँ समाहित हर दिल में ।। दिल से दिल की राह बना कर , मानव जब जुड़ जाएंगे वसुधैव कुटुम्बकम के चिर सपनों को वे साकार तभी कर पाएंगे ।।

मरुद्यान

मैं संजोता हूँ ताजी हवा का वह झोंका, सुबह की चाय की प्याली के साथ,

नीले आसमान का वह टुकड़ा, कंक्रीट के जंगल के ऊपर ग़ज़ल की एक मर्मस्पर्शी पंक्ति, देर शाम की जो मुझे पार ले जाती है, उस उदास उथल-पुथल से, एक के बाद एक व्यस्त दिनों की, एक मरुद्यान की तरह, किसी नीरस रेगिस्तान के बीचों-बीच

कली से पुष्प बनके

कली से पुष्प बनके,इतराने लगी हैं। अंगड़ाइयाँ ले के शरमाने लगी हैं।। नया नया यौवन है, बहकी बहकी मैं हूँ तो विशेष, महकी महकी हूँ, दूर से खिंचे आए आवारा भँवरे तब सुधबुध भूल जाऊँ,सहमी सी हूँ और स्वयं नज़रों से कतराने लगी हूँ। कली से पुष्प बनके, इतराने लगी हैं।। स्वच्छंद साँसे ले सकूँ, यही मेरी तमन्ना, समय से पहले, मुझको नहीं बिखरना, सौंदर्य से परिपूर्ण ,ईश्वर का वरदान श्रद्धा से जो तोड़ा,मंज़ूर माला में गुंथना, वेणी में सजी तो प्रेम गीत गाने लगी हूँ। कली से पुष्प बनके, इतराने लगी हूँ। अंगड़ाइयाँ ले ले शरमाने लगी हूँ।।

गंगाधारा

यह गंगा की है धारा, गंगोत्री से निकलकर, पहुँचती है गंगा सागर, कल-कल किल-किल कर, अविरल बहती चली मधूर, गंगाधरा से उध्दृत सुरगीगांधार, सत्य सनातन पावन गंगाधारा । । कंकरसंकट उथल-पुथल पथ हो, पहाड़ चट्टान संकीर्ण अड़े खड़े हो, घोर घने जंगल विकल कंठओर हो, अड़चने अटकले कई कुछ किए हो, ना तो यह रुकना जानें, ना थमना, ना ही यह झुकना मानें, ना थकना, संकटमय विषमता का कर सामना, गंगा की गोदी में सभी को थामना, सभी का स्वागत सभी का विकास करती, अविचल पुनीतकर बहती चली गंगाधारा। गंगोत्री से गंगासागर तक पहुँची गंगाधारा ।।

सामिप्य के पल का सावन

वह कौन जिसकी मौन उपस्थिति सुने आँगन में हरियाली-सी भरती, मन के दरकते कोनों में कोमल उजाला महक जाता। थकी लरकती साँसों की चाँदनी ने नरम नाजुक उँगलियों से सहला दिया समय की कटोर धूप में भी साथ मधुर छाँव साथ चल रही । कोई दूर चला जाए, तो घर के दरवाज़े भी अनसुने अजनबी लगते , ऽदीबारों पर टंगी मुस्कुराहटें धीरे-धीरे उदासी बन जाती । कोलाहल में भी मन अकेला मानों नदी से उसका कलरव छिन गया , सांझ की हवा में अधूरी पुकार बार-बार लहराती । स्नेह के रूप अनेक जो किसी के होने भर से जीवन को आराधनासी पवित्र धुन बना देता । कोई पास हो तो नन्हें पल भी उत्सव होते , उसके बिना सारा वैभव भी सूने प्रसाद से । आँखें चुप चुप आकाश अपलक निहारती छोटे-से सामिप्य के पल का सावन तलाशती ।

स्वतंत्र वार्ता

काव्य कुंज ब्लॉग

AGA, Publications, Ltd,
 396, Lower Tankbund,
 Hyderabad-500080



डॉ संजुला सिंह जंगरापुर

विचारों को बातचीत से जोड़ते हुए मिलते हैं समुद्र कहता है उसमें भी पीड़ा है लेकिन आंसू अलग से दिखाई नहीं पड़ते मैं उसकी बात पर विश्वास करू या न करू असमंजस में झुलते दिखाई पड़ता हूँ । मैं कहता हूँ मेरे साथ ऐसा नहीं है आंसू दिखते हैं लेकिन पीड़ाएं नहीं दिखती मैं विश्वास नहीं कर रहा हूँ उसकी बात का और उसकी हर बात का जवाब दे चिढ़ा रहा हूँ सोचकर समुद्र मेरे दोनों पैर पकड़कर खींचता है मैं अपनी हथेलियां से लहरों की भुजाओं पर बार-बार थपपड़ लगाता हूँ । अपनी समानताओं और असमानताओं को मिलकर हम मथते हैं बहुत देर तक उस बिखरी गोली फैली रेत पर दोनों घरींदे बनाकर खेलते हैं कोई नहीं जीतता और कोई हारता भी नहीं । हम मिलते हैं तो खास कुछ लगता नहीं जब हम बिछड़ते हैं तब एक दूसरे को देखते हैं बिछोह का दर्द लिए इस तरह देखते रह जाते हैं जाते-जाते मुड़कर देखते हुए भी ।।

खाबाँ के तिनकों से सजा आशियाना

कौन कहता है कि खाबाँ के तिनके, कमजोर होते हैं, खोखले होते हैं? कभी इन तिनकों का आशियाना सजा कर तो देखो, बड़े हसीन इनके मनसूबों के महल होते हैं।डॉ शोभा मंडाड़ी हैदराबाद नींद में दिखने वाले खाब व तो, पानी का एक बुलबुला होते हैं, आंख खुलते ही बिखर जाएँ, क्या ये भी कभी अपने होते हैं? खुली आंख के खाबाँ के तिनके जुड़ते हैं बड़ी मेहनत के साथ, क्योंकि मजबूत इनके नेक इरादे होते हैं, मजमून होते हैं, लगन की डोर संग इनके तंतु बंधे होते हैं, ये एक आत्मविश्वास और संतोष की सच्चाई से महकते हैं।।। सिलसिला खाबाँ का यूं ही चलता रहे, काफिला खाबाँ का यूं ही बढ़ता रहे, खाबाँ के तिनके यूं ही बनाते रहें आशियाना, महफूज रहे खाबाँ से हर दिल का अफसाना।।

वटवृक्ष की छाँव तले...!

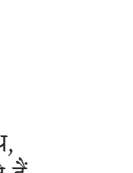
वटवृक्ष की छाँव तले, यूँ 'श्रद्धा का दीप' जलें, सावित्री के 'अटल-प्रण' से जीवन फिर सँवरे। माथे पर सिंदूर सजा, मन में प्रेम अपार लिए, नारी ने इस व्रत से सुख के सपने सँजो लिए। सूत्र बाँध वट के तन पर, मांगे जीवन वरदान, पति की लंबी आयु हेतु करती पूजा व ध्यान। सत्यवान संग निभाया, सावित्री ने धर्म महान, यमराज से भी जीता प्रेम का अमिट सम्मान। त्याग, तपस्या, प्रेम, समर्पण बनी हुई पहचान, भारतीय संस्कृति के आँगन इसके सुंदर गान। 'वट सावित्री' का ये पर्व देता जीवन को संदेश, सच्चे प्रेम एवं विश्वास से मिट जाते हर क्लेश।

इतना मत...

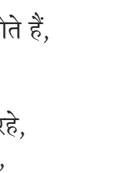
इतना मत तरसा मुझे अपने फ़ैसले पर अफ़सोस हो... कल तू बात करना चाहें और हम खामोश हो!!! एक दूजे में कुछ कमी न आज मिल रही क्या थी कमी जिसे हम तुम निकालते रहे पत्थरों से खेलने का शौक क्या लगा हमें इस तरफ से उस तरफ दोनों उछालते रहे



डॉ शोभा मंडाड़ी हैदराबाद



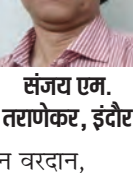
गजानन पाण्डेय



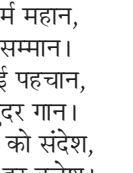
रमेश गायकवाड रागा, हैदराबाद



राजेश गायकवाड रागा, हैदराबाद



संजय एम. ताराणेकर, इंदौर



संजय एम. ताराणेकर, इंदौर



संजय एम. ताराणेकर, इंदौर



संजय एम. ताराणेकर, इंदौर



संजय एम. ताराणेकर, इंदौर



गजानन पाण्डेय



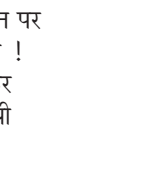
रमेश गायकवाड रागा, हैदराबाद



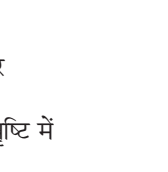
राजेश गायकवाड रागा, हैदराबाद



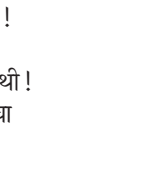
संजय एम. ताराणेकर, इंदौर



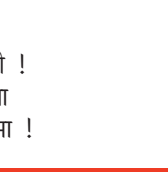
संजय एम. ताराणेकर, इंदौर



संजय एम. ताराणेकर, इंदौर



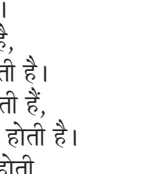
संजय एम. ताराणेकर, इंदौर



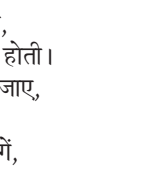
संजय एम. ताराणेकर, इंदौर



वीरेंद्र बहादुर सिंह नोएडा



वीरेंद्र बहादुर सिंह नोएडा



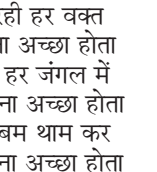
वीरेंद्र बहादुर सिंह नोएडा



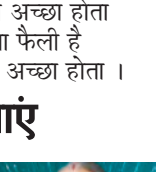
वीरेंद्र बहादुर सिंह नोएडा



वीरेंद्र बहादुर सिंह नोएडा



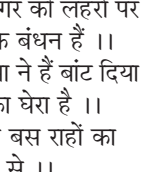
वीरेंद्र बहादुर सिंह नोएडा



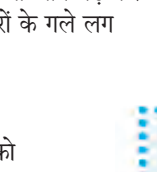
वीरेंद्र बहादुर सिंह नोएडा



वीरेंद्र बहादुर सिंह नोएडा



वीरेंद्र बहादुर सिंह नोएडा



वीरेंद्र बहादुर सिंह नोएडा



वीरेंद्र बहादुर सिंह नोएडा



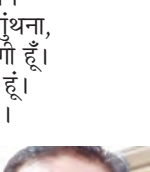
बी. पी. आचार्य



बी. पी. आचार्य



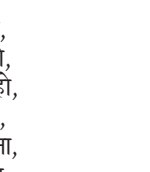
बी. पी. आचार्य



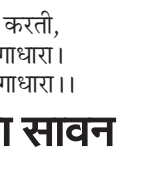
बी. पी. आचार्य



बी. पी. आचार्य



बी. पी. आचार्य



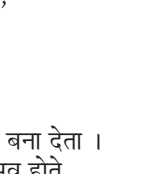
बी. पी. आचार्य



बी. पी. आचार्य



बी. पी. आचार्य



बी. पी. आचार्य



बी. पी. आचार्य



बी. पी. आचार्य

भोजशाला से नमाज की अनुमति खत्म

मध्यप्रदेश के धार जिले की ऐतिहासिक भोजशाला को लेकर वर्षों से चल रहा विवाद अब एक नए मोड़ पर पहुंच गया है। इंदौर खंडपीठ द्वारा दिए गए ताजा फैसले ने इस बहुचर्चित मामले में एक महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि धार स्थित भोजशाला परिसर और उससे जुड़ा कमाल मौला मस्जिद क्षेत्र विवादित परिसर का हिस्सा है और उसे मां वादेवी मंदिर के रूप में मान्यता दी गई है। साथ ही वर्ष 2003 में नमाज की अनुमति देने वाले एएसआई के आदेश को भी निरस्त कर दिया गया। यह फैसला केवल कानूनी निर्णय नहीं, बल्कि इतिहास, पुरातत्व, धार्मिक आस्था और संस्कृतिक विरासत के जटिल प्रश्नों के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास भी है। देखा जाए तो यह विवाद एक सदी से अधिक समय से भोजशाला को लेकर विभिन्न दावे सामने आते रहे हैं। हिंदू पक्ष का मानना रहा कि यह मां वादेवी अर्थात् देवी परमस्वती का प्राचीन मंदिर रहा है, जहाँ शिक्षा और ज्ञान की साधना होती थी। वहीं मुस्लिम पक्ष इसे कमाल मौला मस्जिद के रूप में देखता रहा। इसी विवाद के चलते वर्ष 2003 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने एक व्यवस्था बनाई थी, जिसके तहत अलग-अलग समय पर दोनों समुदायों को धार्मिक गतिविधियों की अनुमति दी गई थी। अब हाईकोर्ट ने इस व्यवस्था को बदलते हुए कहा है कि एएसआई का वह आदेश निरस्त किया जाता है जिसमें शुक्रवार को नमाज की अनुमति दी गई थी। अदालत ने अपने फैसले में यह भी कहा कि पूजा-अर्चना और मां वादेवी से जुड़ी परंपराएं कभी पूर्ण रूप से समाप्त नहीं हुईं



थीं। इससे यह संकेत मिलता है कि अदालत ने केवल वर्धमान व्यवस्थाओं को नहीं देखा, बल्कि ऐतिहासिक और सांस्कृतिक निरंतरता को भी महत्व दिया। इस फैसले का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष उसके आधार है। न्यायालय ने कई पुरातात्विक और ऐतिहासिक साक्ष्यों को गंभीरता से लिया। अदालत ने माना कि भोजेशाला परिसर में मंदिर निर्माण से जुड़े पत्थरों का उपयोग हुआ था। एएसआई द्वारा परिसर में किए गए सर्वेक्षण में 106 खंभे पाए और 82 संरचनात्मक अवशेष जा गए, जिनकी स्थापत्य शैली मंदिरों से जुड़ी प्रतीत होती है। इसके अलावा 150 से अधिक संस्कृत और प्राकृत शिलालेख भी मिले, जिनमें “शिवाय” जैसे शब्दों का उल्लेख पाया गया। इन साक्ष्यों ने अदालत की सोच को प्रभावित किया। न्यायालय ने यह भी कहा कि एएसआई पुरातात्विक धरोहरों की सुरक्षा के लिए बना संस्कृत है और उसका उद्देश्य केवल किसी समुदाय विशेष की सुविधा नहीं, बल्कि ऐतिहासिक विरासत

का संरक्षण होना चाहिए। अदालत ने प्रशासन को निर्देश दिया कि वह परिसरों की सुरक्षा और धार्मिक संवेदनशीलता दोनों को ध्यान में रखकर व्यवस्था सुनिश्चित करे। इस पूरे मामले में एक और महत्वपूर्ण तथ्य सामने आया कि वर्ष 1902 से एएसआई स्वयं इस परिसर के संरक्षण कार्य से जुड़ा रहा है। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह केवल धार्मिक विवाद नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विरासत से जुड़ा विषय भी है। अदालत ने यह भी माना कि प्राचीन मूर्तियाँ, स्तंभ शिल्पकला और स्थापत्य शैली उस स्थल के ऐतिहासिक स्वरूप को मजबूत आधार देती हैं। हालाँकि यह निर्णय आने के बाद भी मामला पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। मुस्लिम पक्ष इस फैसले के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की तैयारी कर रहा है। उनका तर्क है कि कुछ पहलुओं पर अदालत ने उनकी दलीलों को पर्याप्त महत्व नहीं दिया। आने वाले दिनों में यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुँच सकता है। यानी कानूनी लड़ाई का अन्त

चरण अभी बाकी है। राजनीतिक दृष्टि से भी इस फैसले की गूँज सुनाई दे। राज्य सरकार ने इसे आस्था और इतिहास के सम्मान का क्षण बताया। सरकार की ओर से कहा गया कि निर्णय के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशासन आवश्यक व्यवस्था करेगा। लेकिन ऐसे संवेदनशील मामलों में राजनीतिक प्रतिक्रियाओं से अधिक महत्वपूर्ण सामाजिक शांति और आपसी विश्वास होता है। देश पहले भी अयोध्या जैसे बड़े विवादों से गुजर चुका है। वहाँ भी अदालत ने ऐतिहासिक साक्ष्य, कानूनी आधार और धार्मिक आस्था के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास किया था। भोजशाला के फैसले में भी कुछ समानताएँ दिखाई देती हैं। अदालत ने केवल भावनाओं के आधार पर नहीं, बल्कि दस्तावेजों, पुरातत्वीय प्रमाणों और ऐतिहासिक तथ्यों को आधार बनाया। लोकतंत्र में न्यायालय की भूमिका केवल विवाद समाप्त करने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह समाज को दिशा भी देता है। भोजशाला का फैसला इसी दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह संदेश देता है कि सदियों पुराने विवादों का समाधान भी संवैधानिक प्रक्रिया और न्यायिक संस्थाओं के माध्यम से संभव है।

अतः यह समझना होगा कि इतिहास केवल अतीत का बोझ नहीं, बल्कि वर्तमान की पहचान भी होता है। यदि ऐतिहासिक स्थलों को धार्मिक संघर्ष का प्रतीक बनने के बजाय सद्भा संस्कृतिक धरोहर के रूप में देखने की सोच विकसित हो, तो समाज और अधिक मजबूत हो सकता है। भोजशाला का यह फैसला न्याय, आस्था और इतिहास के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में कुछ यात्राएँ केवल राजनयिक औपचारिकताएँ नहीं होतीं, बल्कि वे वैश्विक शक्ति संतुलन, आर्थिक रणनीति और भविष्य की कूटनीति की दिशा तय करने वाले संकेत बन जाती हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चीन यात्रा भी ऐसे ही घटनाक्रमों में शामिल दिखाई देती है। इस यात्रा से पहले दुनिया भर की नजरें बीजिंग पर थीं। अनेक राजनीतिक विश्लेषक और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ यह मानकर चल रहे थे कि यह यात्रा अमेरिका और चीन के बीच नई समझ, व्यापारिक तालमेल तथा भू-राजनीतिक तनाव कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। लेकिन यात्रा समाप्त होने के बाद सबसे बड़ा प्रश्न यही खड़ा हुआ कि अफिर ट्रंप को इस यात्रा से वास्तविक रूप से क्या हासिल हुआ? बीजिंग शिखर वाता के दौरान चीनी नेतृत्व का आत्मविश्वास स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। बदलते अंतरराष्ट्रीय समीकरणों के बीच यह संकेत भी उभरकर सामने आया कि चीन स्वयं को पहले की तुलना में अधिक प्रभावशाली और मजबूत स्थिति में देख रहा है। यह केवल शिष्टाचार या कूटनीतिक व्यवहार का विषय नहीं था, बल्कि उसमें बदलती वैश्विक राजनीति की झलक भी दिखाई दे रही थी। ऐसा



प्रतीत हुआ कि चीन यह संदेश देना चाहता है कि विश्व व्यवस्था अब केवल एक ध्रुव पर आधारित नहीं रहेगी और नए शक्ति केंद्र तेजी से उभर रहे हैं।

जब ट्रंप की चीन यात्रा की घोषणा हुई थी, तब अनेक अमेरिकी समर्थकों और राजनीतिक विश्लेषकों को उम्मीद थी कि राष्ट्रपति अपनी विशिष्ट शैली और आक्रामक कूटनीति के माध्यम से चीन पर दबाव बनाने में सफल होंगे। कई लोगों को यह भी विश्वास था कि अमेरिका व्यापारिक और रणनीतिक मुद्दों पर अपने हितों को अनुरूप सकारात्मक परिणाम हासिल कर सकेगा। हालांकि यात्रा के बाद विश्लेषकों के बीच यह बहस तेज हुई कि अमेरिका अपनी अपेक्षाओं के अनुरूप परिणाम प्राप्त कर पाया या नहीं।

दरअसल, वैश्विक राजनीति पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बदली

रूप से पश्चिम एशिया, ऑस्ट्रेलिया, ईरान, संयुक्त राष्ट्र-संघ, ईसापूर्व क्षेत्र में शक्ति समीकरणों ने राज की परंपरागत रणनीति को चुनौती के सामने खड़ा कर दिया है। पहले जहां अमेरिका की वैश्विक नेतृत्व की स्थिति ईश देता था, वहीं अब चीन, रूस, जर्मनी और सामरिक तेजी से अपनी उपस्थिति को चुन चुका है।

मनुष्य भी इस यात्रा के अंश में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अमेरिका लंबे समय से ले लेकर अपनी रणनीतिक को व्यवस्था करता रहा है, चीन ने इस विषय पर अपनी स्वतंत्र और संतुलित राय अपनाते के संकेत दिए हैं। हथियारों के बंटवारे में प्रमुख शक्तियों के वैश्वीय हितों के अनुसार अलग-अलग रणनीतियों बना रही हैं।

दीवारों पर लिखी सिसकियाँ

इतिहास की किताबों में लिखा है कि शाहजहाँ ने मुमताज की याद में ताजमहल बनवाया था। पर हमारे आधुनिक रोमियो इस ऐतिहासिक भ्रम को अपनी जेब में रखे पेन की स्याही से सुधारने का ठेका ले चुके हैं। यह हमारे देश की उन दीवारों की दास्तां हैं जिन्हें देखकर लगता है कि यहाँ ईंटें कम और प्रेमी जोड़ों का नाम ज्यादा धंसे हुए हैं। इन दीवारों को देखकर अक्सर यह संशय होता है कि यह पुरातत्व विभाग की संपत्ति है या किसी सार्वजनिक प्रेम पत्र का रद्दीखाना। यहाँ हर पुरानी हवेली और बदमाश शौचालय की दीवार पर किसी पिंटू और रिकी की आमो प्रेम कहानी खुदी हुई है। मनो अगए उन्होंने खुदुरी ईंटों पर अपना नाम एक तीर के निशान के अंदर बंद नहीं किया तो उनकी मोहब्बत को ऊपर वाला भी मंजूरी नहीं देगा। यह उस समाज का सामूहिक दर्द है जहाँ इश्क में दिल टूटने से पहले पेन की रिफिल खत्म हो जाती है। शहर के उस वीरान किले की दीवार पर रमेश ने अपनी जेब से पांच रुपये वाला वह कदर



लिखा 'रमेश संग सपना और नीचे एक और लिखा बनाया जो देखने में कम दिल चमका हुआ आम ज्यादा लगा रहा था। पास खड़े उसके दोस्त ने पूछा 'रअबे भाई अगर सपना ने मना कर दिया तो क्या करोगे?' रमेश ने ठठकी हुई सांस ली और बोला 'रमना कैसे करेगी? पत्थर की लकीर है भाई। दीवार पर लिख दिया है अब तो खुदा को भी इसे मंजूर करना पड़ेगा।' रमेश की आँखों में वह चमक थी जो शायद कोलंबस की आँखों में अमेरिका खोजते समय भी नहीं रही होगी। उसे लग रहा था कि उसने अपनी वसीयत सही यमराज के दफ्तर में जमा करा दी है। उसे नहीं पता था कि यह पत्थर नहीं बल्कि उसकी अपनी बेरोजगारी का निज़ापन है। दवाओं में एक अजीब सी गंध थी जो मिट्टी और

सूने के मिलन से पैदा हो रही थी। रमेश ने अपने खून से नहीं बल्कि उस लाल रंग के स्केच पेन से दिल को रंगना शुरू किया जो उसने अपनी छोटी बहन के बस्ते से चुनया था। उसने सोचा कि यह दीवार ही तो है जो उसकी गवाह बनेगी जब दुनिया उसके खिलाफ खड़ी होगी। रमेश भाई यह दीवार ढह गई तो ? हे दोस्त ने फिर एक कड़वा सवाल दागा। रमेश ने दीवार को ऐसे सहलाया जैसे वह सपना का हाथ हो और बोला 'इतिहास गवाह है भाई दीवारें टूट जाती हैं' पर नाम रह नाते हैं उसकी आवाज में वह रूआंसपना था जैसे कोई शहीद होने से पहले अंतिम इच्छा बता रहा हो। जिस किले की दीवार पर वह अपनी मोहब्बत की इबारत लिखा रहा था वहीं पास में एक बोर्ड लगा था जिस पर लिखा था 'यहाँ लिखना मना है'। रमेश ने उस बोर्ड के ऊपर भी अपना नाम लिख दिया ताकि कानून को पता चले कि इश्क अंधा ही नहीं बल्कि जाहिल भी होता है। बरसों बाद जब रमेश उसी किले के पास से गुज़रा तो उसकी चाल में वह पहले वाली अकड़ नहीं थी।

ऑपरेशन सिंदर के बाद भी सतर्कता जरूरी



तकनीकी और बहुस्तरीय हो गए हैं। विभिन्न राज्यों की पुलिस द्वारा कई सतत तत्वों की गिरफ्तारी हुई है। जांच में आया कि कई मामलों में ऐसे लोग शामिल पाए गए जिनकी सामान्य पृष्ठभूमि सामान्य थी। कुछ तक विरोध, कुछ शिक्षित युवा और कुछ लोग भी सामने आए जो पहली नजर में संदेह के दायरे में नहीं आते थे। यह स्पष्ट करती है कि आधुनिक आतंक के केवल हथियारों और सीमा पार घुसपैठ सीमित नहीं रहा, बल्कि उसने सामान्य भीतर नई रणनीतियों के साथ अपनी बनाने का प्रयास किया है। आतंकवाद का बदलता स्वरूप सबसे चिंता का विषय है। पहले जहाँ आतंक

नेटवर्क सीमित भौगोलिक क्षेत्रों और पारंपरिक माध्यमों पर निर्भर रहते थे, वहीं अब तकनीक ने उन्हें नई संभावनाएं प्रदान कर दी हैं। सोशल मीडिया, एन्क्रिप्टेड मेसेजिंग प्लेटफॉर्म, डिजिटल नेटवर्क और ऑनलाइन प्रचार वंच के माध्यम से युवाओं तक पहुंच बनाने की कोशिश की जाती है डिजिटल माध्यमों ने भौगोलिक सीमाओं को कम प्रभावी बना दिया है और विचारधाराओं के प्रसार की गति को कई गुना बढ़ा दिया है। आज तथ्यांकित “हाइड्रड आतंकवाद” और “लोन वुल्फ” जैसे शब्द सुरक्षा चर्चा का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। हाइड्रड आतंकवाद में ऐसे व्यक्तियों का उपयोग किया जाता है जो सामान्य नागरिक जीवन जीते हुए अचानक हिंसक गतिविधियों में

शा मिल हो सकते हैं। वहीं लोन वुल्फ हमलों में व्यक्ति किसी बड़े संगठित समूह का प्रत्यक्ष हिस्सा दिखाई नहीं देता, लेकिन वह विचारभरा या प्रेरणा से प्रभावित होकर हिंसक कदम उठा सकता है। इस प्रकार की चुनौतियों से निपटना परंपरिक सुरक्षा उपायों की तुलना में कहीं अधिक कठिन होता है।

आतंकी नेटवर्क अब केवल हथियार उपलब्ध कराने या घुसपैठ कराने तक सीमित नहीं हैं। भर्तों, वित्तीय सहायता, लॉजिस्टिक सहयोग और प्रचार तंत्र का पूरा ढांचा पहले की अपेक्षा अधिक व्यवस्थित और आधुनिक हो गया है। कई मामलों में यह भी सामने आया है कि छोटे-छोटे समूह या व्यक्ति बड़े नेटवर्क का हिस्सा बनकर काम करते हैं। इससे जांच एजेंसियों के सामने चुनौती और बढ़ जाती है।

भारत विरोधी गतिविधियों में कुछ पुराने मुद्दों को पुनर्जीवित करने का प्रयास भी समय-समय पर देखने को मिलता है। खालिस्तान जैसे मुद्दों को अंतरराष्ट्रीय मंचों और डिजिटल माध्यमों के जरिए हवा देने की कोशिशें चिंता का विषय रही हैं। विदेशों में बैठे कुछ तत्व सामाजिक मीडिया और अन्य माध्यमों के जरिए युवाओं को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं। यह स्पष्ट करता है कि आतंकवाद की लड़ाई अब केवल सीमा पर नहीं, बल्कि सूचना और विचार के स्तर पर भी लड़ी जा रही है।



सुरेश गांधी

पूवर्चल के प्रभाव, राजनीति, अपराध और अध्यात्म के बीच खड़ी एक नई बहस, काशी के जगन्नाथ धाम से उठता सवाल, क्या समय सच्चाचल आदमी को बदल देता है? जी हाँ, काशी समीप के नही रहती, वह समय की यहाँ गंगा बहती ही नहीं, गा है। यहां घाटों की सीढ़ियाँ के कहनामी की आहट नहीं समाज के बदलते चेहरे भी काशी ने राजाओं को भी देखा, काशी पर बैठे लोगों को भी आग में तपे चेहरों को भी गों में एक नई चर्चा चल रही राजनीतिक चुनाव की नहीं, के फैसले की नहीं, बल्कि की है। कभी पूवर्चल के पर टकराव की कहानियों के देने वाला एक चेहरा आज गवर्गन जगन्नाथ धाम के संहार में सज्जित दिखाई देता है। फ आयोजनों में भागीदारी, कामों में धार्मिक मौजूदगी और तब तक करने की कोशिशों ने एक

जरायम की दुनिया से धार्मिक गलियारों तक की दस्तक

नई बहस को जन्म दिया है। यह बहस केवल किसी व्यक्ति की नहीं, बल्कि उस सामाजिक मनोविज्ञान की भी है जो पृथ्वी है, क्या आदमी बदलता है या समय उसकी भूमिका बदल देता है? आज काशी के अस्सी डाक स्थित प्राचीन जगन्नाथ धाम के पुनरोद्धार और धार्मिक गतिविधियों के बीच एक ऐसा चेहरा चर्चा में है, जिसे कभी पूर्वांचल की अपराध और राजनीतिक दुनिया के प्रभावशाली नामों में मिला जाता था। यह वही नाम है, जिसकी कहानी वाराणसी के एक साधारण छात्र से शुरू होकर पूर्वांचल के बाहुबली, फिर राजनीति और अब धार्मिक सक्रियता तक पहुंचती दिखाई देती है।

बता दें, पूर्वांचल में बृजेश सिंह का नाम दशकों तक राजनीतिक और अपराधिक संघर्षों के संदर्भ में लिया जाता रहा। लेकिन जगन्नाथ धाम में उनकी सक्रियता एक बिल्कुल अलग तस्वीर प्रस्तुत कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में मंदिर परिसर में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में उनकी निरंतर उपस्थिति दिखाई दी। मंदिर के जीर्णोद्धार को योजनाओं से लेकर प्रशासनिक स्तर पर संवाद और दृष्ट से जुड़े प्रयासों तक, उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई है। दृष्ट से जुड़े दीपक शहपूरी और



आलोक शाहपुरी का कहना है कि भगवान जगन्नाथ की कृपा से मंदिर का भविष्य बेहतर दिशा में बढ़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्षों तक जो आयोजन केवल परंपरा निभाने तक सीमित होते जा रहे थे, उनमें अब परिवर्तन के उदाहरण लौटने लगा है। श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी है, धार्मिक आयोजनों में रौनक बढ़ी है और मंदिर परिसर के प्रति लोगों का

जुड़ाव गहरा हुआ है।
जगन्नाथ धाम के पुनर्विकास के लिए बड़े स्तर
पर योजना तैयार की गई है। कांची कामकोटि
पीठ के शंकराचार्य स्वामी विजयेंद्र सरस्वती
की मौजूदगी में इस परियोजना की
आधारशिला रखी गई। योजना के तहत,
शुरुआती चरण में लगभग 30 करोड़ रुपये का
बजट तय किया गया है। मंदिर के शिखर की

ऊँचाई 36 फीट से बढ़ाकर 108 फीट की जाएगी। श्रद्धालुओं के लिए अन्नक्षेत्र बनाया जाएगा। निराश्रितों के लिए भोजन व्यवस्था होगी। यात्रियों के ठहरने की आधुनिक सुविधाएं विकसित होंगी। पूरे परिसर को धार्मिक और सांस्कृतिक कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जाएगा। इस परियोजना को तीन वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। कभी हाथों में किताबें थीं, आँखों में नौकरी और बेहतर भविष्य के सपने थे। गांव का एक साधारण युवक अपने पिता की इच्छाओं को पूरा करने के लिए पढ़ाई की राह पर अगे बढ़ रहा था। लेकिन निर्यात किए गए ऐसी पटकथा लिखती है, जिसमें एक घटना पूरी जिंदगी की दिशा बदल देती है। एक तरफ पिता की हत्या का दंड, दूसरी तरफ प्रतिशोध की आग, और फिर धीरे-धीरे अपराध, बाहुबल, राजनीति और प्रभाव के लंबे गलियारों में प्रवेश, यह कहानी किसी व्यक्ति की कहानी नहीं, बल्कि पूर्वांचल के उस दौर की भी कहानी है, जब बंदूकें सिर्फ हथियार नहीं बल्कि सत्ता की भाषा बन गई थीं। समय बीतता गया, चेहरे बदलते गए, राजनीतिक समीकरण बदलते गए और जीवन ने एक नया मोड़ लिया। कभी जिसका नाम जरायम की दुनिया के प्रभावशाली चेहरों

में लिया जाता था, वही अब धार्मिक आयोजनों, मंदिरों और आध्यात्मिक गतिविधियों के बीच दिखाई देता है। काशी के जगन्नाथ धाम के पुनरीकृत से लेकर धार्मिक आयोजनों में बढ़ती सक्रियता तक, एक नया दृश्य सामने है। ऐसे में सवाल केवल व्यक्ति का नहीं, बल्कि समाज की उस सोच का भी है जो पूछती है, क्या आदर्मी सम्मुख बदलता है या समय केवल उसकी भूमिका बदल देता है। वैसे भी हर कहानी किसी बड़ी शुरुआत से नहीं, एक साधारण सपने से शुरू होती है। लेकिन कई बार एक घटना पूरी जिंदगी का रास्ता बदल देती है। जीवन के कुछ मोड़ ऐसे होते हैं जहां व्यक्ति निर्णय नहीं लेता, परिस्थितियां उसके लिए रास्ता चुन लेती हैं। इसके बाद शुरू हुआ संघर्ष, प्रभाव और शक्ति का वह दौर, जिसने पूर्वांचल की राजनीति और सामाजिक समीकरणों पर लंबे समय तक असर डाला।

1980 और 1990 का दशक उत्तर प्रदेश, विशेषकर पूर्वांचल के लिए केवल राजनीतिक परिवर्तन का दौर नहीं था। यह वह समय भी था जब ठेकेदारी, स्थानीय प्रभाव, आर्थिक संसाधनों और राजनीतिक संरक्षण के समीकरण तेजी से बदल रहे थे।

स्वर्गीय संगीत सम्राट गुलशन कुमार की बेटी और टी-सीरीज के सी.ई.ओ. भूषण कुमार की बहन खुशाली कुमार वर्ष 2022 में फिल्म 'धोखा : राऊंड दी कॉर्नर' के साथ अपने बड़े ब्रेक से पहले तक सुर्खियों से दूर ही रहती थी । फैशन और म्यूजिक वीडियोज से शुरुआत करने वाली खुशाली अब अपने अभिनय करियर पर ज्यादा ध्यान दे रही है। फिल्मों के बाद उसने वेब सीरीज के माध्यम से ओ.टी. टी. पर दस्तक दे दी है। हाल ही में उसने वेब सीरीज 'सपने वसें एवरीवन' के दूसरे सीजन के साथ ओ.टी. टी. पर डेब्यू किया है। इस सीरीज में वह 'तुपि' नामक लड़की की भूमिका में नजर आ रही है। इस सीरीज को लेकर खुशाली काफी उत्साहित है ।



खुशाली ने कहा कि यह उसके लिए सपना सच होने जैसा लग रहा है। पहली बार ओ.टी. टी. पर काम करना उसके लिए बहुत खास और भावुक अनुभव है। उसने कहा कि 'पहली बार होने वाली चीजें हमेशा खास होती हैं।' यह सीरीज 'पंचायत' जैसी लोकप्रिय वेब सीरीज बनाने वाले प्रोडक्शन हाऊस टी.वी.एफ. ने तैयार की है। खुशाली

सोशल मीडिया
पर पोस्ट किए एक पर्सनल नोट में लिखा, “मैं हमेशा से भारत में 'पोस्ट इंटरनेट एरा स्टोरीटेलिंग' के पायनियर्स- टी.वी.एफ. और मिस्टर अरुणाभ कुमार (टी.वी.एफ. के को - फाऊंडर) के साथ काम करना चाहती थी, जिन्होंने 'पंचायत' और 'पिचर्स' जैसी यादगार वेब सीरीज और किरदारों वाली दुनिया दी है। 'सपने वसें एवरीवन- 2' सच में एक सपना सच होने

जैसा है... टी.वी.एफ. के साथ यह मेरा पहला काम है और सच कहूं तो, यह इससे बेहतर नहीं हो सकता था ।

जैसा है... टी.वी.एफ. के साथ यह मेरा पहला काम है और सच कहूं तो, यह इससे बेहतर नहीं हो सकता था ।

जैसा है... टी.वी.एफ. के साथ यह मेरा पहला काम है और सच कहूं तो, यह इससे बेहतर नहीं हो सकता था ।

'पहली बार होने वाली चीजें हमेशा खास होती हैं': 'खुशाली कुमार'

करना बहुत अच्छा रहा और अम्बरीश वर्मा (डायरेक्टर) को बहुत-बहुत धन्यवाद जिन्होंने इस सफर को खास बनाया; उनकी कहानी कहने का तरीका और इमानदारी हर चीज में एक अनेखी सादगी लाती है । 'सपने वसें एवरीवन- 2' के लिए सच में बहुत एक्साइटेट (और थोड़ी इमोशनल) हूं।

अब तक का करियर

पहले बोल्ट शूट के दौरान 'नर्वस था रणवीर : सोनाली

सोनाली राऊत ने बताया है कि रणवीर सिंह अपने पहले बोल्ट फोटोशूट के दौरान काफी नर्वस था। सोनाली, जो पहले ऐसे बोल्ट शूट कर चुकी थी, से कहा गया था कि वह रणवीर को कम्फर्टेबल महसूस कराए क्योंकि वह इंडस्ट्री में नया था और थोड़ा शर्माता था। सोनाली ने कहा कि उसने आज के एनर्जेटिक रणवीर से बिल्कुल अलग उसका रूप देखा है।

सोनाली ने कहा, “मैं रणवीर को बहुत अलग तरीके से जानती हूं। मैंने उनके साथ एक पोज शूट किया था और कुछ साल बाद उन्होंने वही पोज वाणी कपूर के साथ किया। उस समय रणवीर बहुत स्वीट, बहुत फ्रेंडली और बहुत अच्छे थे। असल में वह बहुत । शर्मीले थे, क्योंकि वह एक बिकिनी शूट था। उसने कहा, वह काफी बोल्ट और ग्लैमरस शूट था। उनका कहना था कि 'यह मेरा ऐसा पहला शूट है, बहुत ग्लैमरस, और एक ऐसी लड़की के साथ जो बिकिनी पहन रही है।' हां, वह बहुत नर्वस थे । वह च्यूइंग गम खा रहे थे, परफ्यूम लगा रहे थे... मैं तो बिल्कुल शांत थी और फोटोग्राफर भी कह रहा था, 'सोनाली, उसे घबराने मत दो। तुम तो ठीक हो, लेकिन वह थोड़ा नर्वस है। प्लीज उसे कम्फर्टेबल महसूस कराओ। उसने याद किया कि रणवीर ने उससे कहा था, “तुम जानती हो सोनाली, यह मेरा



पहला शूट है। इस पर सोनाली ने जवाब दिया, “हां, तो नर्वस किस बात के लिए हो ? सोनाली ने बताया कि फिल्म 'धुरंधर'

वाली इमेज से अलग, उसने रणवीर सिंह का एक प्यारा और थोड़ा नर्वस रूप देखा है।

छिपाया करती थी अपने 'घुंघराले' बाल : 'अनुपमा परमेश्वरन'

साऊथ सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री अनुपमा परमेश्वरन ने केवल अपनी बेहतरीन अदाकारी ही नहीं, बल्कि घने और खूबसूरत घुंघराले बालों से भी अलग पहचान बनाई है। उसने बताया है कि एक समय ऐसा था, जब उसे अपने ही बालों से बेहद चिढ़ थी । उसने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह अपने कर्ली हेयर को प्लॉट करती नजर आ रही है।

इस वीडियो के साथ उसने प्रेरणादायक नोट में लिखा, “एक समय था, जब मैं अपने घुंघराले बालों को छिपाने की कोशिश करती थी । मैं उन्हें सीधा करने और बदलने के लिए हर ज़रूरत करती रहती थी। मुझे लगता था कि काश मेरे बाल भी बाकी लोगों की तरह सामान्य होते।

घुंघराले बालों को बनाया अपनी ताकत उसने बताया कि समय के साथ उसके नजरिए में बड़ा बदलाव आया। उसने महसूस किया कि जो चीज उसे दूसरों से अलग बनाती है, वही उसकी सबसे बड़ी खूबी है ।

अनुपमा ने आगे लिखा, आज, ये बाल मेरी सबसे पसंदीदा चीजों में से एक हैं, लेकिन सबसे ज्यादा खुशी तब



होती है, जब लोग मुझसे कहते हैं कि मुझे देखकर उन्होंने भी अपने घुंघराले बालों को प्यार करना और अपनाना शुरू कर दिया है। अनुपमा ने पोस्ट के अंत में लिखा, जब आप खुद को वैसे ही अपना लेते हैं जैसे आप हैं, तो यह बहुत शक्तिशाली होता है । आपकी हिम्मत दूसरों को भी खुद से प्यार करने का हौसला देती है। वह साऊथ सिनेमा में नैचुरल एक्टिंग, घुंघराले बालों और क्यूट गर्ल-नैक्स्ट-डोर इमेज के लिए जानी जाती हैं।

उसने 'प्रेमम', 'कार्तिकेय 21 और 'टिल्लू स्क्वायर' जैसी फिल्मों के जरिए अपनी पहचान बनाई है। उसकी अगली प्रमुख फिल्म 'क्रेजी कल्याणम' है। इसके अलावा, वह प्रेरणा अरोड़ा द्वारा निर्मित एक अनटाइटल्ड मनोवैज्ञानिक थ्रिलर में भी नजर आएंगी।

रणदीप ने फूंकी जान, अच्छी शुरुआत के बाद कहां कमजोर पड़ी 'इंस्पेक्टर अविनाश' ?

इंस्पेक्टर अविनाश 2

कलाकार: रणदीप हुड्डा , उर्वशी रौतेला , अमित सियाल , अभिमन्यु सिंह और रजनीश दुग्गल

लेखक: नीरज पाठक और संजय मासूम
निर्देशक: नीरज पाठक
निर्माता : ज्योति देशपांडे और नीरज पाठक

पुलिस की बहादुरी और कामयाब कहानियों पर कई फिल्में और वेब सीरीज बनी हैं। ऐसी ही एक सीरीज है 'इंस्पेक्टर अविनाश'। इसके सीजन 2 की कहानी पहले पार्ट से आगे बढ़ती है। इसमें बल, छल, षड्यंत्र और विश्वासघात समेत वो सारे एलीमेंट्स हैं; जो एक अच्छी एक्शन क्राइम सीरीज में होने चाहिए। इस रिव्यू में हम आपको बताएंगे कि एक दमदार सीरीज की तरह शुरुआत करके यह कहां धीमी होती है? साथ ही इसे देखना क्यों चाहिए इसका भी जवाब देंगे...

जब भी कोई एक्शन क्राइम सीरीज अपने पहले सीजन में दर्शकों को पसंद आती है। तो उसके अगले सीजन से उम्मीदें कई ज्यादा बढ़ जाती हैं। इन्हीं उम्मीदों पर इस सीरीज के दूसरी पार्ट भी खरा उतरा है। यूपी पुलिस के अफसर अविनाश मिश्रा की कहानी अपने हर एपिसोड के साथ रोमांच पैदा करती है। एक

साथ इतने केस देखने के बाद भी आप उनके बीच की कड़ियां भूल



नहीं पाते। स्क्रिप्ट जिस तरह लिखी गई है उससे आपको कहीं कुछ भी काल्पनिक नहीं लगता।

कहानी
कहानी पिछले सीजन से आगे बढ़ती है। जहां पिछली बार कहानी में सिर्फ राजनीतिक भागीदारी दिखाई थी इस बार उसे अच्छे से समझाया है। यूपी एसटीएफ के अफसर अविनाश मिश्रा का लखनऊ से शुरू हुआ आतंक खत्म करने सिलसिला इस बार बीहड़ के बागियों तक तक जा पहुंचा है।

अविनाश अपनी टीम के जांबाजों की मदद से इस आतंक पर काबू तो पा लेते हैं मगर कहानी सिर्फ इतनी नहीं है, क्योंकि दुश्मन सिर्फ बाहर ही नहीं उनके अपने डिपार्टमेंट में भी कई हैं। अब अपनी टीम में छुपे उस दुश्मन को वो कैसे पहचानेंगे और पोंडितों को इंसाफ कैसे

दिलवाएंगे ? यह जानने के लिए आपको सीरीज देखनी होगी।



अभिनय
सभी किरदारों का कास्टिंग बहुत ही सोच समझ कर की गई है। चाहे उनका स्क्रीन टाइम कितना भी मांग हो पूरी तरह से किरदार में रमे हुए नजर आते हैं। अविनाश मिश्रा के किरदार में रणदीप हुड्डा इस बार भी उतने ही दमदार और ठसक वाले लगे हैं जितने वो पिछले सीजन में थे। बोली से लेकर हर एक एक्शन में आपको एक सुपर कॉप का अंदाज दिखाता है।

वहीं उर्वशी रौतेला का किरदार पूनम मिश्रा सीरीज की शुरुआत में कुछ धीमी लग सकता है पर वो कहानी की मांग है। दूसरी तरफ शेख के किरदार को अमित सियाल ने काफी निखारा है। वो दमदार लगे हैं।

कहानी के दूसरे विलेन यानी देवीकांत त्रिवेदी के किरदार में अभिमन्यु सिंह को ज्यादा

डॉयलाग्स नहीं मिले पर उन्होंने अपने हाव-भाव से इसे बेहतर बनाया है। इसके अलावा रजनीश दुग्गल, शालीन भानोट, जाकिर हुसैन और फ्रेंडी दारूवाला समेत अन्य कलाकारों ने अपने छोटे-छोटे किरदारों के साथ इंसफ किया है।

निर्देशन
निर्देशक नीरज पाठक ने सीरीज के शुरुआत तो बड़ी अच्छी की। शुरुआती छह एपिसोड में कई किरदार और कहानी दोनों ही महात्वपूर्ण दिखाई देते हैं। यह धीरे-धीरे बिगड़ती है और आप इसे सुकून से देखते हैं। पर सातवें एपिसोड के बाद ही सीरीज की गति बढ़ जाती है और रणदीप की एक्टिंग सुस्त पड़ जाती है।

अंत के कुछ एपिसोड में वो थके हुए से नजर आते हैं। जिन घटनाओं को शुरुआत में काफी गंभीर दिखाया जाता है, अंत में उन्हें काफी हल्का बना दिया जाता है। इसे अच्छे से खत्म करते तो यह एक बेहतरीन सीरीज बन सकती थी।

देखें या नहीं ?
इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2' के कुल दस एपिसोड हैं। अगर एक्शन-क्राइम देखने के शौकीन हैं तो आपको इस सीरीज को बिल्कुल भी मिस नहीं करना चाहिए। हां, थोड़ी लंबी है पर यह आपकी कहीं निराश नहीं करती। शुरू के हर एपिसोड में आपको अलग ही सस्पेंस मिलेगा।

भारतीय तो विदेशियों से भी ज्यादा रंगभेद करते हैं : 'प्रिया बनर्जी'

राज बब्बर-स्मिता पाटिल के बेटे प्रतीक बब्बर की पत्नी प्रिया बनर्जी कनाडा मूल की हैं। तेलुगु फिल्म 'फिस' और बॉलीवुड फिल्म 'जज्बा' में अभिनय कर चुकी प्रिया हाल ही में फिल्म 'कैडी एंड द पिज्जा जी-गल' में नजर आई हैं। गत दिनों इस फिल्म के प्रमोशन के दौरान उसने बॉलीवुड में रंगभेद को लेकर ऐसी बात कह दी, जिसने सभी को हैरान कर दिया।

प्रिया ने बताया कि भारत में खासकर बॉलीवुड में रंगभेद और टाइपकास्टिंग बहुत ज्यादा होती है। उसने कहा कि इंडस्ट्री में लोगों की सोच के अनुसार उसे अक्सर 'हॉट' रोल ऑफर किए जाते हैं इसलिए उसने ऐसे किरदार भी निभाए जिनकी लोग उससे उम्मीद रखते थे। प्रिया ने कहा, “ भारत में लोग ज्यादा रेसिस्ट हैं, जितना कि विदेशों में गोरे लोग नहीं हैं। यह मैं आपकी जानकारी के लिए बता रही हूं। आप यह बयान जगजाहिर कर सकते हैं। मुझे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। मुझे फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि भारतीय रेसिस्ट हैं। वे आपको रिकन कलर से आपको जज करते हैं। वे आपको एक ही जैसा रोल देते हैं, क्योंकि उनके अनुसार आप वैसे ही लगते हैं। यहाँ के डायरेक्टर्स, राइटर्स का अपना खुद का कोई नज़रिया ही नहीं है। मैं बहुत बड़े डायरेक्टर्स - राइटर्स तक की बात कर रही हूं।



प्रिया ने बताया कि वह इस सोच से इतनी तंग आ चुकी है कि अब वह कहती है- 'अगर आपको मुझे हॉट देखना है, मैं आपको हॉट बनने के दिखाऊंगी।' उसके अनुसार, “बॉलीवुड में बहुत जल्दी आपको एक तय 'खांचे' में डाल दिया जाता है। लोग कहते हैं कि - 'वह एन. आर. आई. है तो वैसे ही बोलेली, हॉट रोलस कर लेगी' लेकिन अब मैं इसे स्वीकार करने लगी हूं। मैं एक अभिनेत्री हूं। आप मुझे गांव की लड़की का किरदार दोगे मैं वह भी कर लूंगी । हर अभिनेत्री ऐसा कर सकती है। यही हमारा काम है कि हम हर तरह के रोल में ढल सकें। हर फिल्म में वही घिसा-पिटा रोमांस देखने को मिलता है।

प्रिया का यह भी कहना है कि मेनस्ट्रीम हिंदी सिनेमा एक ऐसे दोहराव के चक्र में फंस गया है जहां से निकलने की कोशिश बहुत कम लोग कर रहे हैं। उसने बताया कि उसका बॉलीवुड में आना किसी बड़े सपने का नतीजा नहीं था ।

वह र्हिंडिया में पली-बढ़ी नहीं । है इसलिए बॉलीवुड उसके लिए एकदम नया था। जब वह यहां आई तो उसने कोई रणनीति नहीं बनाई थी, बस जो किरदार उसे उत्साहित करते थे, वही किए। वह चाहती है कि उसका किरदार उससे बिल्कुल अलग हो, कुछ ऐसा जो उसे चुनौती दे ।

पुराने शहर में आग मची अफरा-तफरी

लक्ष्मी टॉकीज के पास फल के ठेले जले; विधायक ने मौजूद रहकर बुझवाई

भोपाल, 16 मई (एजेंसियां)। भोपाल के लक्ष्मी टॉकीज स्थित सराए के पास आग लग गई। आग फल के ठेलों में लगी। इससे अफरा-तफरी मच गई। उत्तर विधायक आतिफ अकील ने मौके पर मौजूद रहकर आग बुझवाई। इसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली। लक्ष्मी टॉकीज स्थित सराए में ही विधायक अकील का घर भी है। आग लगने की सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे। फायर ब्रिगेड को भी सूचना दी गई। दमकल के आने से पहले लोग आग पर काबू पाने में जुट गए। आगजनी में सराए में रखे फलों से भरे ठेले जल गए। निगम की दमकलों आने से पहले लोग आग बुझाने के लिए दौड़ पड़े।

आगजनी के दौरान ठेलों के टायर में ब्लास्ट होने लगा। इसलिए लोगों ने ठेलो को तुरंत बाहर किया। इससे कुछ लोगों के हाथ भी जल गए। जिस जगह आग लगी, उसके पास में ही कई गाड़ियां भी खड़ी थीं। इससे बड़ा हादसा होने का आदेशा था। इसलिए लोगों ने गाड़ियों को बाहर निकाला और फिर आग बुझाई।

अभिषेक बनर्जी के खिलाफ एफआईआर पर मंत्री दिलीप घोष का जवाब

बोले- 'पुलिस तैयार न्याय जरूर होगा'

कोलकाता, 16 मई (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी के खिलाफ एफआईआर पर पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री दिलीप घोष ने जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि पहले डर के कारण लोग शिकायतें दर्ज नहीं कराते थे, लेकिन अब जनता और पुलिस दोनों तैयार हैं, न्याय जरूर होगा। अभिषेक बनर्जी के खिलाफ विधाननगर नॉर्थ साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। अभिषेक बनर्जी पर आरोप है कि उन्होंने चुनावों से पहले भड़काउ बयान दिए और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ भी टिप्पणी की।

इस पर आईएनएस से बात करते हुए दिलीप घोष ने कहा, जिन लोगों ने भी अत्याचार व दुराचार किया है और दूसरों के साथ दुर्व्यवहार किया है, उनमें अभिषेक बनर्जी, ममता बनर्जी

रक्षक बना मक्षक! पुलिस कांस्टेबल पर हिंदू महिला से रेप का आरोप

राजकोट, 16 मई (एजेंसियां)। गुजरात के राजकोट से एक चौकाने वाला मामला सामने आया है। राजकोट पुलिस ने एक हेड कांस्टेबल को गिरफ्तार किया है, जिस पर पिछले डेढ़ साल से अपनी एक हिंदू पड़ोसी महिला के साथ बलात्कार करने, उसे ब्लैकमेल करने, धमकाने और परेशान करने का आरोप है। पीड़िता, जिसकी एक बेटी भी है, ने आरोप लगाया कि आरोपी उसकी मासूम बच्ची के सामने ही नंगा हो जाता था और बेहद अश्लील और विकृत हरकतें करता था। इस व्यवहार से वह छोटी बच्ची इतनी बुरी तरह से सदमे में आ गई कि वह अपनी खुद की मां के पास जाने से भी डरने लगी। राजकोट में एक ऐसी घटना हुई है जो काला धब्बा नहीं बल्कि एक बड़ा दाग है।

यूनिवर्सिटी पुलिस ने आरोपी पुलिस हेड कांस्टेबल को गिरफ्तार कर लिया है। शिकायत मिली थी कि टैफिक ब्रांच में हेड कांस्टेबल के तौर पर काम करने वाले एक आदमी ने 31 साल की शादीशुदा महिला के साथ डेढ़ साल तक रेप किया और पांच साल की बच्ची के साथ फिजिकल छेड़छाड़ की। इस बारे में पीड़िता ने अपनी शिकायत में कहा है कि उसकी शादी नौ साल पहले हुई थी। जनवरी 2025 में वह अपनी मां के घर बेटी के साथ रहने चली गईं थी।

जगन्नाथ धाम से सूर्य मंदिर तक दौड़ेगी सीधी ट्रेन पुरी-कोणार्क रेल लाइन परियोजना को मिली रफ्तार



भुवनेश्वर, 16 मई (एजेंसियां)। तटीय ओडिशा में रेल संपर्क को मजबूत करने के लिए भारतीय रेलवे ने पुरी-कोणार्क रेल लाइन परियोजना पर काम तेज कर दिया है। यह परियोजना भुवनेश्वर, पुरी और कोणार्क को जोड़ने वाले प्रस्तावित तटीय रेल त्रिकोण की अहम कड़ी मानी जा रही है।

रेलवे बोर्ड ने 19 फरवरी 2024 को इस परियोजना को मंजूरी दी थी, जबकि 7 मार्च 2024 को इसे विशेष रेलवे परियोजना घोषित किया गया। परियोजना का क्रियान्वयन ईस्ट कोस्ट रेलवे के तहत किया जा रहा है। ईस्ट

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। आंधी, बारिश और तूफान ने इस हफ्ते उत्तर भारत में तबाही के निशान छोड़े हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले कुछ दिनों तक उत्तर और दक्षिण भारत के राज्यों में हल्की से भारी बारिश का अनुमान है। दरअसल, बंगाल की खाड़ी में बने मजबूत निम्न दबाव क्षेत्र और कई जगह सक्रिय चक्रवाती परिसंचरण व पश्चिमी विक्षोभों के कारण देश के कई हिस्सों में मौसम बदला हुआ रहेगा। बिहार, पूर्वी मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखंड, उत्तर प्रदेश समेत आसपास के राज्यों के कई इलाकों में बादल छाए रह सकते हैं, तेज हवाएं चल सकती हैं और गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। वहीं जम्मू-कश्मीर और उत्तर-पश्चिम भारत में भी पश्चिमी विक्षोभ के असर से बारिश और आंधी की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत में कैसा रहेगा मौसम?

उत्तर-पश्चिम भारत में अगले दो दिनों तक मौसम बदला हुआ रहेगा। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में इस दौरान गरज-चमक के साथ 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। वहीं पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, राजस्थान



और उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में भी बारिश और आंधी की संभावना है। खासकर पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में तेज आंधी चल सकती है।

पूर्वोत्तर भारत में मौसम पूर्वोत्तर भारत में अगले कई दिनों तक मौसम खराब बना रह सकता है। नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 17 मई तक बीच हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। वहीं अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में कई जगह भारी बारिश हो सकती है।

बिहार-बंगाल का मौसम

पूर्वी भारत में अगले कई दिनों तक मौसम सक्रिय बना रहेगा। बिहार, झारखंड, पश्चिम

ईडी की कार्रवाई के बाद कोलकाता के डिप्टी कमिश्नर शांतनु सिन्हा बिस्वास की सेवाएं समाप्त



कोलकाता, 16 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल सरकार ने ईडी की कार्रवाई के बाद कोलकाता पुलिस के डिप्टी कमिश्नर शांतनु सिन्हा बिस्वास की सेवाएं समाप्त कर दी हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बीते दिनों गिरफ्तार किया था। शांतनु सिन्हा बिस्वास उन अधिकारियों में शामिल हैं, जिन्हें पिछली ममता बनर्जी की सरकार ने दो साल का सेवा विस्तार (एक्सटेंशन) दिया था।

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद शांतनु सिन्हा बिस्वास के खिलाफ कार्रवाई में तेजी आई है। इसी क्रम में नई भाजपा सरकार ने सिन्हा बिस्वास का सेवा विस्तार समाप्त कर

दिया है। राज्य सचिवालय 'नबन्ना' के एक अंदरूनी सूत्र के अनुसार, सेवा विस्तार पाने वाले अन्य अधिकारियों के विपरीत, सिन्हा बिस्वास को इस्तीफा देने का अवसर नहीं दिया गया। इसके बजाय, राज्य सरकार ने सीधे तौर पर उनका सेवा विस्तार समाप्त कर दिया। बीते दिनों ईडी ने कार्रवाई मनी लॉर्डिंग और जमीन से जुड़े सिंडिकेट के कुछ मामलों के संबंध में की, जिसमें एक कुख्यात और फिलहाल 'फरार' 'हिस्ट्री-शीटर' बिस्वजीत पोद्दार उर्फ 'सोना एप्पू' भी शामिल हैं।

गिरफ्तारी से पहले, ईडी के अधिकारियों ने शांतनु से लगभग 10 घंटे तक पूछताछ की थी। इससे पहले, जब ईडी से पूछताछ के लिए कई नोटिस मिलने के बाद शांतनु सिन्हा फरार हो गए थे, तब एजेंसी ने उनके खिलाफ 'लुकआउट नोटिस' जारी किया था। इसी बीच, घटनाक्रम से परिचित सूत्रों ने बताया कि कोलकाता पुलिस के 12 अन्य पुलिसकर्मी, जो सिन्हा बिस्वास के सेवकाल के दौरान उनके करीबी विश्वासपात्र थे, अब ईडी की जांच के दायरे में हैं।

भोजशाला पर हाईकोर्ट के फैसले के बाद दिग्विजय सिंह बोले- किसी समुदाय को निशाना बनाना उचित नहीं

भोपाल, 16 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह इंदौर पहुंचे। उन्होंने भोजशाला मामले में आए फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पूरे निर्णय का गहराई से अध्ययन किया जाएगा और आगे की प्रक्रिया संविधान, नियमों और परंपराओं के अनुसार तय होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भोजशाला एसएसआई संरक्षित स्थल है और इससे जुड़े कई धार्मिक मामले पहले से सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं, इसलिए अंतिम निर्णय सर्वोच्च न्यायालय ही करेगा। दिग्विजय सिंह ने आगे यह भी कहा कि सामाजिक सौहार्द के इस संवेदनशील दौर में किसी एक समुदाय को निशाना बनाना उचित नहीं है। उन्होंने कानून के दायरे में रहकर निर्णय लेने की बात दोहराई।

दिग्विजय सिंह ने नीट परीक्षा को लेकर कहा कि नीट में धोंधली रोकने के लिए समिति ने विस्तृत रिपोर्ट दी थी, लेकिन सरकार ने उस पर कार्रवाई नहीं की। बार-बार नीट में हो रहे घोटाले युवाओं के भविष्य के साथ सबसे बड़ा धोखा हैं। छोटे लोगों को पकड़ा जा रहा है, जबकि असली 'बड़ी मछलियां' अब भी बाहर हैं। प्रधानमंत्री तुरंत शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लें और एनटीए चेयरमैन को हटايا जाए।

एनआईए : मानव तस्करी और साइबर गुलामी गिरोह

कंबोडिया में फर्जी कंपनी को 2-3 हजार यूएस डॉलर में बेचे जाते थे भारतीय



नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कंबोडिया में मानव तस्करी और साइबर गुलामी के एक बड़े मामले का खुलासा किया है। मामले की गहराई से जांच की गई। अब इस मामले में फरार मुख्य आरोपी आनंद कुमार सिंह उर्फ मुन्ना सिंह समेत पांच लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया है। मानव तस्करी और साइबर गुलामी के लिए इस गिरोह ने कंबोडिया में फर्जी कंपनी को 2-3 हजार यूएस डॉलर में भारतीय युवाओं

हिस्सों में तापमान में हल्का बदलाव देखने को मिलेगा। पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों में 21 मई तक तापमान 4 से 6 डिग्री सेंल्सियस तक बढ़ सकता है, जबकि उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में 18 मई तक 2 से 4 डिग्री की बढ़ोतरी होने की संभावना है। पूर्वी भारत में भी 17 मई तक तापमान 2 से 3 डिग्री तक बढ़ सकता है। वहीं गुजरात में 16 मई तक तापमान में हल्की गिरावट और महाराष्ट्र में 19 से 21 मई के बीच 2 से 3 डिग्री तक कमी आने के आसार हैं। मध्य भारत और देश के बाकी हिस्सों में फिलहाल तापमान में कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है।

10 दिन बाद होगी मानसून की एंटी भारत विभाग ने शुक्रवार को अपने पूर्वानुमान में कहा कि 26 मई को मानसून केरल में दस्तक दे सकता है। यह 4 दिन पहले या 4 दिन बाद भी पहुंच सकता है। अमतौर पर केरल में मानसून की शुरुआत 1 जून के आसपास होती है, जिसके बाद यह उत्तर की ओर बढ़ते हुए देश के बाकी हिस्सों में पहुंचता है। इस वर्ष मानसून के दौरान देश में सामान्य से कम बारिश की संभावना है, जिसकी मुख्य वजह अल नीनो की परिस्थितियों का विकसित होना हो सकता है।

भजनलाल पर बयान देकर धिर्ी रेखा शर्मा, मांगी माफी



गुरुग्राम, 16 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री स्व। चौधरी भजनलाल को लेकर दिए गए बयान पर विवाद बढ़ने के बाद राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा ने खेद जताते हुए अपना बयान वापस ले लिया है। उन्होंने कहा कि उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया और उनकी मंशा किसी व्यक्ति विशेष को ठेस पहुंचाने की नहीं थी। वहीं, बीजेपी के वरिष्ठ नेता कुलदीप बिश्नोई ने रेखा शर्मा के स्पष्टीकरण पर संतोष जताते हुए उनके खेद व्यक्त करने की सराहना की।

साथ ही उन्होंने समर्थकों से विवाद को आगे न बढ़ाने, एफआईआर वापस लेने और पार्टी की गरिमा बनाए रखने की अपील की। पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भजनलाल जी को लेकर दिए

लाउडस्पीकर पर बवाल के बाद पुलिस ने हालात पर किया काबू, अतिरिक्त बल तैनात

आसनसोल, 16 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के आसनसोल में मस्जिद के लाउडस्पीकर की आवाज कम कराने पर पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच झड़प हो गई। यह तनाव उस समय और बढ़ गया, जब कुछ लोगों ने कथित तौर पर पुलिस चौकी पर हमला किया और तोड़फोड़ की। जानकारी सामने आई कि मस्जिद के लाउडस्पीकर की आवाज तेज होने को लेकर एक शिकायत थी। इस पर पुलिस ने एक्शन लिया और आवाज कम करने के लिए बोला गया। हालांकि, इससे विवाद की स्थिति बन गई। जहांगीर मोहल्ला और आसपास के इलाकों में तनाव फैल गया। गुस्साए लोगों ने कथित तौर पर एक पुलिस चौकी पर हमला किया और तोड़फोड़ की। हालांकि, पुलिस ने लाठीचार्ज करते हुए स्थिति को संभाला। घटना के बाद अतिरिक्त बल तैनात किया गया।

आसनसोल के पुलिस उपायुक्त बीजी सतीश पसुमार्थी ने बताया कि अब स्थिति नियंत्रण में है। सब कुछ पुलिस के नियंत्रण में है और कोई समस्या नहीं है। हम मिले सभी सीसीटीवी फुटेज से उपद्रवियों की पहचान कर रहे हैं और इस घटना में शामिल सभी लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, एक स्थानीय व्यक्ति ने बताया कि

पुलिस अफसर के मकान में देह व्यापार

थाईलैंड की युवतियों समेत पांच पकड़े

जम्मु, 16 मई (एजेंसियां)। शहर के कुंजवानी में बंधु रख स्थित एक मकान में चल रहे देह व्यापार का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। इस दौरा क विदेशी (थाईलैंड) युवतियों सहित कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस पूरे मामले में चौकाने वाली बात यह है कि यह अनैतिक धंधा डीपीएल जम्मू में तैनात जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) के किराए के मकान में चल रहा था। गंग्याल पुलिस ने इस संबंध में एफआईआर दर्ज की है। हालांकि पुलिस ने यह जानकारी नहीं दी है कि एसपीओ गिरफ्तार हुआ या नहीं। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, गंग्याल थाने की पुलिस को अपने खुफिया सूत्रों से जानकारी मिली थी कि बंधु रख इलाके के एक घर में संदिग्ध और अनैतिक गतिविधियों चल रही हैं। इस सूचना पर गंग्याल पुलिस की एक विशेष टीम ने उक्त मकान पर दक्षिण दी। टीम जब घर के अंदर पहुंची तो पुलिस के भी होश उड़ गए।

गए बयान पर राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा ने कहा कि पंचकूला नगर निगम चुनाव की रैली के दौरान मेरे एक स्टेटमेंट को वीडियो के जरिए तोड़-मरोड़कर वायरल किया गया। मेरी मंशा किसी व्यक्ति को ठेस पहुंचाने की नहीं थी। मेरी मंशा एक पार्टी की कार्यप्रणाली के खिलाफ थी। जहां तक चौधरी भजनलाल जी की बात है, वह एक सम्मानित मुख्यमंत्री रहे हैं। उनके परिवार के कई सदस्य आज हमारी पार्टी में भी हैं।

यदि मेरे स्टेटमेंट से उनके परिवार या समर्थकों को कोई दुख पहुंचा हो, तो मैं वह स्टेटमेंट वापस लेती हूं और खेद प्रकट करती हूं। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री स्व। भजनलाल के विरुद्ध राज्यसभा सदस्य रेखा शर्मा द्वारा की गई टिप्पणी को लेकर विवाद के बीच बीजेपी के वरिष्ठ नेता कुलदीप बिश्नोई ने एक वीडियो स्टेशन को नष्ट नहीं किया जाना चाहिए। यहां प्रशासन के साथ कोई झगड़ा नहीं है। हम घटना की निंदा करते हैं।

वार्ड नंबर 25 के कांग्रेस पार्षद एसएम मुस्तफा ने कहा, जब हमें यह खबर मिली, तब हम पार्टी दफ्तर में थे। ऐसा क्यों हुआ? इसकी क्या वजह थी? हमें पता चला कि कुछ नौजवानों की पुलिस से बहस हो गई थी। हम इस घटना के पीछे की असल वजह का पता नहीं लगा पाए हैं। लेकिन जिस तरह से यह सब हुआ, वह बिल्कुल भी मंजूर नहीं है। उन्होंने कहा कि हमने थाने आकर स्थिति को देखा है। पुलिस पूरे एक्शन में है। इसके साथ ही, एसएम मुस्तफा ने कहा कि हमारी सभी ध्यान से अपील की है कि वे अफवाहों पर श्लो न दें। आसनसोल में स्थिति ठीक है, यहां किसी तरह की परेशानी नहीं है।

एनआईए : मानव तस्करी और साइबर गुलामी गिरोह

में हुई है, जमानत पर बाहर है। आरोपियों ने संगठित मानव तस्करी गिरोह के तहत भारतीय युवाओं को वैध नौकरियों और आकर्षक वेतन का झांसा देकर कंबोडिया ले जाने में अहम भूमिका निभाई। पीड़ितों के पासपोर्ट जव्त कर लिए गए और उन्हें कंबोडिया की फर्जी कंपनियों में काम करने के लिए मजबूर किया गया। विरोध करने पर उन्हें कठोर शारीरिक और मानसिक यातनाएं दी गईं। एनआईए की जांच में पता चला कि आनंद इस गिरोह का सरगना है। वह भारत में विभिन्न सहायक एजेंटों/देवल एजेंटों के माध्यम से युवाओं की भर्ती में शामिल था।

आरोपी ने कंबोडिया में अपने सहयोगियों के साथ मिलकर पीड़ितों की अवैध तस्करी का प्लान बनाया। वह अपने प्लान में कामयाब भी रहा। गिरोह के दूसरे सदस्यों को प्रदद से उसने प्रत्येक युवा को फर्जी कंपनी को 'बेचने' के लिए 2,000-3,000 अमेरिकी डॉलर वसूले थे। गिरोह के अन्य सदस्यों का पता लगाने और मामले (आरसी 10/2024/एनआईए/डीएलआई) में पूरी साजिश का खुलासा करने के लिए जांच जारी है।

जगदुरु श्री शंकर विजयेंद्र सरस्वती अंत्यपुष्करालु का शुभारंभ करेंगे : श्रीधर बाबू

40 लाख श्रद्धालुओं के आने का अनुमान



हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। इस माह की 21 तारीख से 1 जून तक कलेधरम में सरस्वती अंत्य पुष्करालु का भव्य आयोजन किया जाएगा, जिसमें लगभग 30 से 40 लाख श्रद्धालुओं के शामिल होने का अनुमान है। इस संबंध में शुक्रवार को डॉ.बी.आर. अंबेडकर राज्य सचिवालय में राज्य मंत्रियों कोण्डा सुरेखा और श्रीधर बाबू की उपस्थिति में मुख्य सचिव के. रामकृष्णा राव की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में देवादाय, ऊर्जा, महिला एवं बाल कल्याण, सूचना विभाग सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। औद्योगिक एवं आईटी मंत्री श्रीधर बाबू ने बताया कि 21 मई को सुबह 5:43 बजे कांची कामकोटि पीठ के जगदुरु श्री शंकर विजयेंद्र सरस्वती स्वामी पवित्र स्नान कर

इस आयोजन का शुभारंभ करेंगे। उसी दिन राज्यपाल भी पवित्र स्नान में भाग लेंगे। मंत्रियों ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। घाटों पर स्वच्छता, ट्रैफिक नियंत्रण, सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति और भीड़ प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। देवदाय मंत्री कोण्डा सुरेखा ने कहा कि मेढारम जातरा की सफलता से प्रेरणा लेते हुए इस बार सरस्वती अंत्य पुष्करालु को भव्य और सुव्यवस्थित रूप से आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन प्रमुख पीठाधिपति पवित्र स्नान करेंगे तथा हवन, सांस्कृतिक कार्यक्रम और अन्य धार्मिक अनुष्ठान आयोजित होंगे। मुख्य सचिव के. रामकृष्णा राव ने कहा कि व्यापक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं और भारी

भीड़ की संभावना को देखते हुए स्वच्छता, यातायात, प्रोटोकाल, परिवहन और पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं। देवदाय विभाग की प्रमुख सचिव शैलजा रामय्यार ने बताया कि इस बार 2012 की तुलना में कई गुना अधिक श्रद्धालु आने की संभावना है। उन्होंने कहा कि घाटों पर हवन, आरती, सांस्कृतिक कार्यक्रम, तर्पण और पिंडदान की विशेष व्यवस्था की जाएगी। परिवहन, चिकित्सा, पुलिस, ग्रामीण जल आपूर्ति, बिजली और अन्य विभागों को विशेष जिम्मेदारियों सौंपी गई हैं। 12 दिनों तक चिकित्सा शिविर, एंबुलेंस, अस्थायी बस स्टैंड, शटल बस सेवाएं, सीसीटीवी निगरानी, पार्किंग व्यवस्था और आपातकालीन सेवाएं सुनिश्चित की जाएंगी। बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं जिला प्रशासन के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

केंद्र से इंदिरम्मा आवास योजना की राशि में देरी : पोंगुलेटी

मकानों के आवंटन पर होने वाली कैबिनेट बैठक में होगी चर्चा

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के राजस्व, आवास एवं सूचना व जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने शनिवार को कहा कि तेलंगाना सरकार को 'इंदिरम्मा आवास योजना' के तहत केंद्र सरकार की हिस्सेदारी भाव से अब तक प्राप्त नहीं हुई है। मंत्री ने बताया कि केंद्र की ओर से प्रति मकान लगभग 1.13 लाख की राशि जारी की जानी है, लेकिन अभी तक यह भुगतान नहीं हुआ है।

इसी उम्मीद में लाभार्थियों के अंतिम बिल भुगतान को भी रोक कर रखा गया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की आवास परियोजनाओं को अब तक केंद्र की मंजूरी भी नहीं मिली है। मंत्री ने अपने कार्यालय में मीडिया से अनौपचारिक बातचीत के दौरान

कहा कि उन्होंने और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने इस विषय पर केंद्र सरकार से कई बार आग्रह किया है, लेकिन अब तक राशि जारी नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि यदि अगले 15 से 20 दिनों में केंद्र से फंड जारी नहीं होता है, तो राज्य सरकार स्वयं खर्च वहन कर लाभार्थियों को राशि जारी करेगी। पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि पहले चरण में राज्य में 3.5 लाख इंदिरम्मा मकानों को मंजूरी दी गई थी, जिनमें से लगभग 1.32 लाख मकान पूरे हो चुके हैं, जबकि 68 हजार से 72 हजार मकानों की स्लैब निर्माण प्रक्रिया जून अंत तक पूरी होने की संभावना है। उन्होंने यह भी बताया कि 2 जून को मुख्यमंत्री द्वारा आदिलाबाद में योजना के दूसरे चरण की शुरुआत की जाएगी।

इस चरण में विभिन्न निर्माण अवस्थाओं जैसे दीवार स्तर, बेसमेंट और बिना स्लैब वाले मकानों को भी मंजूरी दी जाएगी। मंत्री ने कहा कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में मकानों के आवंटन पर 21 मई को होने वाली कैबिनेट बैठक में चर्चा की जाएगी, जिसके बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य में राजस्व, भूमि सीमा विवाद और वन क्षेत्रों के सीमांकन के लिए संयुक्त संवैक्षण शुरू किया जाएगा। इसके अलावा डिजिटल रजिस्ट्रेशन सिस्टम को सुधारने के लिए लगभग 14.08 करोड़ की लागत से नया सॉफ्टवेयर तैयार किया जा रहा है, जिससे अगले 3 से 4 महीनों में सर्वे संबंधित समस्याएं समाप्त होने की उम्मीद है।

पटानचेरू में हत्या मामले में दो आरोपी गिरफ्तार, बाइक और मोबाइल जब्त

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद के सेरिलिंगमपल्ली जोन अंतर्गत पटानचेरू पुलिस ने 14 मई को दर्ज हत्या के एक मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक स्कूटी और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बैडल नवीन (24 वर्ष), निवासी चैतन्य नगर, पटानचेरू और आर. प्रमीला (27 वर्ष), निवासी डीएन कॉलोनी, मुतांगी (इस्नापुर एक्स रोड), पटानचेरू के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, शिकायत मृतक शेखर रेगल्ला के भाई यसुदास द्वारा दर्ज कराई गई थी। उन्होंने बताया कि 14 मई की सुबह उन्हें पटानचेरू पुलिस से अपने भाई शेखर रेगल्ला (कागों आंटो चालक) की मृत्यु की सूचना मिली। इसके बाद वे परिजनों के साथ घटनास्थल इस्नापुर गांव के पीछे कैंडिडस इंटरनेशनल स्कूल के पास खुले प्लांटिंग क्षेत्र में पहुंचे, जहां उन्होंने शव की पहचान की और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस जांच के अनुसार, मुख्य आरोपी नवीन और मृतक पिछले चार वर्षों से परिचित थे। नवीन की दुकान पर मृतक का आना-जाना था, जिससे दोनों के बीच दोस्ती हो गई थी। इसी दौरान नवीन की मृतक की पत्नी प्रमीला से भी पहचान हो गई। जांच में यह भी सामने आया कि नवीन और प्रमीला के बीच अवैध संबंध बन गए थे। प्रमीला गर्भवती थी और इसी दौरान नवीन उसकी आर्थिक मदद और अन्य आवश्यकताओं का ध्यान रख रहा था। जब मृतक को इस संबंध की जानकारी हुई तो उसने और पत्नी के बीच विवाद बढ़ गया तथा उसने नवीन को भी चेतावनी दी थी। इसके बाद आरोपी नवीन ने कथित रूप से मृतक को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। पुलिस के अनुसार, 12 मई 2026 को नवीन ने मृतक को शराब पीने के लिए एक सुनसान जगह पर बुलाया। शराब पीने के दौरान विवाद हुआ और जब मृतक नशे की हालत में था, तो आरोपी ने उसके सिर पर पत्थर से वार कर उसकी हत्या कर दी। बाद में इस घटना की जानकारी आरोपी प्रमीला को दी गई। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक स्कूटी और तीन मोबाइल फोन जब्त किए हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी पटानचेरू पुलिस द्वारा सेरिलिंगमपल्ली जोन के वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में की गई। पुलिस आयुक्त ने मामले का खुलासा करने में टीम के प्रयासों की सराहना की है।

मोबाइल छीनने और पॉकेटमारी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश, छह गिरफ्तार

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कंचनबाग पुलिस ने एक संगठित अंतरराज्यीय मोबाइल स्नैचिंग और पॉकेटमारी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह हैदराबाद और आसपास के क्षेत्रों में मोबाइल चोरी और स्नैचिंग की कई घटनाओं में शामिल था। पुलिस के अनुसार 15 अप्रैल 2026 को सैयद नजीर अहमद ने शिकायत दर्ज कराई थी कि डीएमआरएल एक्स रोड के पास बाइक सवार बदमाश उनका सैमसंग गैलेक्सी जेड फोल्ड-5 मोबाइल छीनकर फरार हो गए। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज

खंगाले, संदिग्धों की गतिविधियों का तकनीकी विश्लेषण किया और व्यापक स्तर पर जांच अभियान चलाया। इसके बाद पुलिस ने चरणबद्ध तरीके से आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में अंबाठा नरेश उर्फ कवाटी नरेश, बानाला अरुण कुमार उर्फ नानी, मेकाला चिंजीवी उर्फ चिर, थोता सूरि उर्फ सुरेश, थोता चंद और चोरी के मोबाइल खरीदने वाला सदीप जायसवाल शामिल हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह के अन्य सदस्य भी फरार हैं, जो चोरी और मोबाइल स्नैचिंग में शामिल थे। आरोपियों के खिलाफ तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के विभिन्न थानों में पहले से कई मामले दर्ज

हैं। गिरोह भीड़भाड़ वाले इलाकों जैसे बस स्टॉप, बाजार, टिफिन सेंटर और बस अड्डों को निशाना बनाता था। आरोपी अलग-अलग भूमिकाओं में काम करते थे। कुछ लोग शिकार की पहचान करते थे, कुछ पुलिस की गतिविधियों पर नजर रखते थे, जबकि अन्य आरोपी मोबाइल छीनकर बाइक से फरार हो जाते थे। आरोपी अखबार या प्लास्टिक कवर से चेहरा ढककर वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से विभिन्न कंपनियों के कई चोरी के मोबाइल फोन, 132 बैटरियां, 172 मोबाइल बांडी, 73 कैमरा पार्स और वारादात में इस्तेमाल की गई एक बजाज पल्सर मोटरसाइकिल बरामद

मेरा हैदराबाद

मक्का उतारने में देरी से नाराज ट्रक चालकों का प्रदर्शन

नालगोंडा, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। यादाद्री भुवनगिरी जिले में मक्का भंडार उतारने में हो रही देरी को लेकर किसानों के बाद अब ट्रक चालकों ने भी विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। चालकों का आरोप है कि पिछले एक सप्ताह से ट्रकों को गोदामों के बाहर खड़ा रखा गया है, लेकिन माल उतरवाने की कोई व्यवस्था नहीं की जा रही। जानकारी के अनुसार राज्य सरकार ने खम्मम जिले से लगभग 8,000 मीट्रिक टन मक्का की खरीद की थी।

इस मक्का को ट्रकों के माध्यम से यादाद्री भुवनगिरी जिले के नागिरेड्डीपल्ली स्थित किराए के गोदामों तक पहुंचाया गया। हालांकि गोदाम संचालकों ने मक्का उतारने के लिए हमालियों की कमी का हवाला दिया, जिसके कारण भोंगीर-चिट्चाला राज्य राजमार्ग के दोनों ओर करीब 250 ट्रक कई किलोमीटर तक कतार में फंस गए।

स्थिति से नाराज ट्रक चालकों ने शनिवार को भोंगीर-चिट्चाला राजमार्ग पर मक्का से लदे ट्रकों को खड़ा कर विरोध प्रदर्शन किया।



मेडचल रोड स्थित कालकल या देवी श्री आईजी गौशाला में अमावस्या पर गौ सेवा करते हुए ताराराम सीरवी, शिवदान, नारायणलाल, भोलाराम, गौतम कुमार, चोगालाल, भवलाल, मोहनलाल, सोहनलाल, गौरी देवी, प्यारी देवी, द्वारिका देवी, सुकीया देवी, लीला देवी, प्रेमा देवी, ममता देवी व अन्य।

तेलंगाना में मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण अभियान 25 जून से शुरू

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) सी. सुधर्शन रेड्डी ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान शुरू किया जा रहा है। इसके तहत घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 25 जून से 24 जुलाई 2026 तक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं से जानकारी एकत्र करेंगे और एन्यूमेंटेशन फॉर्म भरवाएंगे। 31 जुलाई को मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित किया जाएगा, जबकि द्वािध और आपत्तियां 30 अगस्त तक ली जाएंगी। अंतिम मतदाता सूची 1 अक्टूबर 2026 को जारी होगी। अधिकारियों के अनुसार बीएलओ प्रत्येक मतदाता के घर कम से कम तीन बार जाएंगे। मतदाता ऑनलाइन भी फॉर्म भर सकते हैं।

स्वास्थ्य जनता का मौलिक अधिकार है : विशेषज्ञ

आईडीपीडी के 13वें राष्ट्रीय सम्मेलन में जोर

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य सेवा दया का विषय नहीं, बल्कि जनता का मौलिक अधिकार है। यह बात कई वरिष्ठ चिकित्सकों और विशेषज्ञों ने भारतीय डॉक्टर्स फॉर पीस एंड डेवलपमेंट (आईडीपीडी) के 13वें राष्ट्रीय महासम्मेलन में कही। यह सम्मेलन शनिवार को हैदराबाद स्थित आईएमए भवन के डॉ.जी.के. किलॉस्कर हॉल में भव्य रूप से शुरू हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता आईडीपीडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अरुण मित्र ने की। उद्घाटन सत्र में तेलंगाना राज्य की अतिरिक्त डीएमई डॉ. रमादेवी तथा एम्स के कार्डिओलॉजिस्ट विभाग के पूर्व प्रमुख प्रोफेसर के. श्रीनाथ रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। चिकित्सा सेवाओं का आधुनिकीकरण- सभी के लिए समान स्वास्थ्य सेवाएं विषय पर प्रो.के. श्रीनाथ रेड्डी ने मुख्य वक्तव्य दिया। उन्होंने कहा कि सरकार को स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए, लेकिन इस दिशा में पर्याप्त कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। उन्होंने



कहा कि देश में आज भी लगभग 30 से 40 करोड़ लोगों को बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। वैश्वीकरण, युद्ध, हिंसा और सामाजिक असमानताएं सार्वजनिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल रही हैं। मुख्य अतिथि डॉ. रमादेवी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा केवल एक सेवा नहीं बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी है। डॉक्टरों को मरीजों को अपने परिवार के सदस्य की तरह समझकर उपचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए, लेकिन इस दिशा में पर्याप्त कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। उन्होंने

तेलंगाना में 47,984 करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाओं पर कार्य : किशन रेड्डी

केंद्रीय मंत्री ने अमृत स्टेशन कार्यों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने शनिवार को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकास किए जा रहे मलकपेट और उप्पुगुड़ा रेलवे स्टेशनों के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। दक्षिण मध्य रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ पहुंचे केंद्रीय मंत्री ने स्टेशन भवनों, यात्री सुविधाओं, पार्किंग और परिसंचरण क्षेत्रों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने परियोजना स्थलों पर सुरक्षा प्रबंधों का भी जायजा लिया। मीडिया से बातचीत करते हुए किशन रेड्डी ने कहा कि केंद्र सरकार ने तेलंगाना में रेलवे आधारभूत संरचना को मजबूत करने के लिए बड़े पैमाने पर निवेश किया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026-27 के रेलवे बजट में तेलंगाना को 5,454 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जबकि वर्ष 2014-15 में संयुक्त



आंध्र प्रदेश को 1,000 करोड़ रुपये से भी कम राशि मिली थी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में वर्तमान में 47,984 करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है, जिनमें नई रेल लाइनें, डबलिंग, ट्रिपलिंग, विद्युतीकरण और स्टेशन पुनर्विकास कार्य शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पिछले 12 वर्षों में तेलंगाना में 347 किलोमीटर नई रेलवे लाइनें बिछाई गई हैं तथा 556

किलोमीटर डबलिंग और ट्रिपलिंग कार्य पूरे किए गए हैं। इसके साथ ही राज्य में रेलवे लाइनों का शत-प्रतिशत विद्युतीकरण भी किया जा चुका है। किशन रेड्डी ने कहा कि काजीपेट रेलवे मैनुफैक्चरिंग यूनिट के वर्ष के अंत तक संचालन शुरू होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि एमएमटीएस फेज-2 का विस्तार यादाद्रि तक किए जाने से मंदिर नगरी के लिए संपर्क सुविधा बेहतर होगी। अमृत भारत स्टेशन

योजना के तहत तेलंगाना के 40 रेलवे स्टेशनों का 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है। मलकपेट और उप्पुगुड़ा रेलवे स्टेशनों का 27-27 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिकीकरण किया जा रहा है। इन स्टेशनों पर लिफ्ट, एस्केलेटर, फुट ओवर ब्रिज, रैप और उन्नत यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

करुणा बनी संस्कृति, शनि जयंती पर सामूहिक अन्नदान कार्यक्रम



हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शनि जयंती के पवन अवसर पर, एई फाउंडेशन और नारी-शक्ति राम-सेविका समूह की लगभग 40 महिला स्वयंसेवकों ने मिलकर वैदेही सेवा समिति, एक महिला विशेष अनाथालय में सामूहिक अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया। इस सेवा पहल के अंतर्गत संस्थान में आश्रय प्राप्त लगभग 60 वंचित बालिकाओं के लिए भोजन, राशन सामग्री, सेनेटी नैफकिन तथा आर्थिक सहायता प्रदान की गई। कार्यक्रम में महिलाओं ने सक्रिय भागीदारी

निभाते हुए बालिकाओं को न केवल भौतिक सहायता दी, बल्कि उन्हें आत्मीयता, भावनात्मक सहयोग और प्रोत्साहन भी प्रदान किया। आयोजकों ने कहा कि अन्नदान केवल भोजन प्रदान करने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह सामाजिक सद्भाव, करुणा और समानता को मजबूत करने वाली एक पवित्र सांस्कृतिक परंपरा है। इस प्रकार की सामूहिक सेवा गतिविधियां बच्चों में संवेदनशीलता और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करती हैं। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि

अमावस्या, शनिवार और शनि जयंती का संयोग विनम्रता, सेवा और अहंकार त्याग का संदेश देता है। भूख को भोजन कराना ही सच्ची आस्था है, इस भाव ने पूरे आयोजन की भावना को दर्शाया। कार्यक्रम के दौरान जय श्रीराम के जयकारों के बीच यह आयोजन संपन्न हुआ। एई फाउंडेशन और नारी-शक्ति राम-सेविका समूह ने यह संदेश दिया कि समाज में नारी शक्ति की वास्तविक भूमिका सेवा, करुणा और संवेदशीलता के माध्यम से सकारात्मक परिवर्तन लाने में निहित है।



शिव मंदिर शमशेरगंज स्थित गौशाला में गौ सेवा करते हुए भक्त



सरयम शिवम सुंदरम गगन पहाड़ स्थित गौशाला में गौ सेवा करते गौ भक्त



जियागुडा स्थित श्री समर्थ कामधेनु गौशाला में अमावस्या पर गौसेवा करते प्रभु दत्त महाराज, पुरुषोत्तम अग्रवाल, पंकज वर्मा, कृष्ण बेवाल, शरद वर्मा, हंसराज बेवाल एवं अन्य।



विश्व मंगल गौशाला सोमाराम विलेज मेडचल में अमावस्या पर भोजन प्रसादी की व्यवस्था नेताराम सुथार, सूजाराम देवासी, दिनेश सुथार, जसराम सुथार द्वारा की गई। नारायण सुथार, हनुमंत धनवा, गोपाल दास बंसल की ओर से पानी का फिल्टर मेडचल पुलिस स्टेशन में दिया गया। राजूराम कुमावत, रतना राम देवासी, नेमीचंद कुमावत, महेन्द्र सिंह, प्रकाश सिरवी, देवाराम मूल्य, सोहनलाल धर्मराम आदि उपस्थित रहे। गौशाला अध्यक्ष टी वी सुरेश, दुर्गा रेड्डी मुख्य सचिव शांतिलाल सुथार, धर्मराम सुथार ने सभी का धन्यवाद किया।

पूर्व तट रेलवे

नीलीमी कंट्रोलिंग नं.: CAT-ADVTD-025

(1) लॉट नं./बर्ग: ADVT-WAT-JOB-OH-241-26-1 (Advertising-Out of Home)

विबरण : जगदलपुर रेलवे स्टेशन पर 5 वर्षों की समयावधि के लिए विज्ञापन के उद्देश्य से 5 कोलर बोर्ड (6 X 4 फुट) एवं 200 वर्ग फुट की एक LED स्क्रीन का संस्थापन एवं रख-रखाव।

(2) लॉट नं./बर्ग: ADVT-WAT-SCM-OH-246-26-1 (Advertising-Out of Home)

विबरण : 5 वर्षों की समयावधि के लिए सिमाचलन रेलवे स्टेशन के निकट विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु डिजिटल डिस्प्ले उककरण (क्षेत्र 400 वर्ग फुट) का संस्थापन एवं रख-रखाव।

(3) लॉट नं./बर्ग: ADVT-WAT-JOB-OSD-242-26-1 (Advertising-On Station Premise (Digital))

विबरण : 5 वर्षों की समयावधि के लिए जगदलपुर रेलवे स्टेशन पर रेलवे से संबंधित जानकारी के साथ विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु 32 संयुक्त LED TV (43 इंच आकार) का संस्थापन एवं रख-रखाव।

(4) लॉट नं./बर्ग: ADVT-WAT-SCM-OSD-245-26-1 (Advertising-On Station Premise (Digital))

विबरण : रेलवे से संबंधित जानकारी के साथ विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु LED TV का संस्थापन एवं रख-रखाव। सिमाचलन रेलवे स्टेशन पर 5 वर्षों की समयावधि के लिए विज्ञापन हेतु प्रदान की गई जगह है 200 वर्ग फुट।

(5) लॉट नं./बर्ग: ADVT-WAT-DVD-OSD-243-26-1 (Advertising-On Station Premise (Digital))

विबरण : रेलवे से संबंधित जानकारी के साथ विज्ञापन के प्रदर्शन हेतु LED TV का संस्थापन एवं रख-रखाव। दुबुबा रेलवे स्टेशन पर 5 वर्षों की समयावधि के लिए विज्ञापन हेतु प्रदान की गई जगह है 200 वर्ग फुट।

(6) लॉट नं./बर्ग: ADVT-WAT-VSKP-OSN-240-25-1 (Advertising-On Station Premise (Non-Digital))

विबरण : वॉल्टियर मण्डल में ATVM के पैन्ल में विज्ञापन के लिए स्थान प्रदान। 3 वर्ष की अवधि के लिए कुल 64 ATVM एवं कुल 833 वर्ग फुट विज्ञापन के लिए स्थान है।

(7) लॉट नं./बर्ग: ADVT-Int-131662-2-24-1 (Advertising-Train Interior)

विबरण : 3 वर्षों की समयावधि के लिए ट्रेन लिंक नं. 12805/12806 विशाखापट्टनम-तिरुमंगल्लू-विशाखापट्टनम जंक्शन/सुथार फास्ट एक्सप्रेस में 02 रैक के लिए ट्रेन के इंटीरियर में विनाइल डिफर के माध्यम से नन डिजिटल (Non Digital) विज्ञापन का प्रदर्शन।

लॉट प्राप्ति होने की तिथि एवं समय : दिनांक 25.05.2026 को 1100 बजे (स्थानीय समय)।

लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 25.05.2026 को 1130 बजे (स्थानीय समय)।

लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 25.05.2026 को 1130 बजे (स्थानीय समय)।

लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 25.05.2026 को 1130 बजे (स्थानीय समय)।

लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 25.05.2026 को 1130 बजे (स्थानीय समय)।

लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 25.05.2026 को 1130 बजे (स्थानीय समय)।

लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 25.05.2026 को 1130 बजे (स्थानीय समय)।

लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 25.05.2026 को 1130 बजे (स्थानीय समय)।

लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 25.05.2026 को 1130 बजे (स्थानीय समय)।

लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 25.05.2026 को 1130 बजे (स्थानीय समय)।

लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 25.05.2026 को 1130 बजे (स्थानीय समय)।

लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 25.05.2026 को 1130 बजे (स्थानीय समय)।

लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 25.05.2026 को 1130 बजे (स्थानीय समय)।

लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 25.05.2026 को 1130 बजे (स्थानीय समय)।

लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 25.05.2026 को 1130 बजे (स्थानीय समय)।

लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 25.05.2026 को 1130 बजे (स्थानीय समय)।

लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 25.05.2026 को 1130 बजे (स्थानीय समय)।

लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 25.05.2026 को 1130 बजे (स्थानीय समय)।

लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 25.05.2026 को 1130 बजे (स्थानीय समय)।

लॉट बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 25.05.2026 को 1130 बजे (स्थानीय समय)।

कम्बोज के दो ओवर में लगातार 4-4 सिक्स लगे मार्श-पूरन ने कारनामा किया, आकाश ने विकेट लेकर पर्ची निकाली

लखनऊ, 16 मई (एजेंसियां)। लखनऊ सुपर जायंट्स ने आईपीएल 2026 के 59वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को 7 विकेट से हरा दिया। इकाना स्टेडियम में लखनऊ ने 188 रन का टारगेट 16.4 ओवर में ही हासिल कर लिया। मैच में अंशुल कम्बोज के दो अलग-अलग ओवरों में लगातार 4-4 सिक्स लगे। पहले मिचेल मार्श ने पावरप्ले में अंशुल के ओवर में 28 रन बटोरे, फिर निकोलस पूरन ने 17वें ओवर की चारों गेंदों पर सिक्स लगाकर मैच खत्म कर दिया। वहीं, तेज गेंदबाज आकाश सिंह ने 3 विकेट लेने के बाद जेब से पर्ची निकालकर जशन मनाया।

तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज ने चेन्नई के लिए दूसरा सबसे महंगा स्पेल फेंका। उन्होंने 2.4 ओवर में 63 रन दिए। आईपीएल में तीन या उससे कम ओवर फेंककर 60+ रन देने वाले वह दूसरे गेंदबाज बने। उनसे पहले खलील अहमद ने 2025 में आसिबी के खिलाफ 3 ओवर में 65 रन दिए थे। अंशुल की 16 में से 11 गेंदों पर चौका या छक्का लगा। यानी उनकी 68.75% गेंदें बाउंड्री के



लखनऊ के लिए एक IPL सीजन में सबसे ज्यादा सिक्स		
छक्के	खिलाड़ी	सीजन
40	निकोलस पूरन	2025
37	मिचेल मार्श	2025
36	निकोलस पूरन	2024
31	मिचेल मार्श	2026
30	KL राहुल	2022

लिए गई। आईपीएल इतिहास में कम से कम 2 ओवर के स्पेल में इससे खराब बाउंड्री प्रतिशत सिर्फ वॉशिंगटन सुंदर का रहा है, जिनकी 2024 में दिल्ली के खिलाफ 12 में से 10 गेंदों पर बाउंड्री लगी थी। अंशुल ने अपने स्पेल में 8

छक्के भी खाए, जो आईपीएल इतिहास में किसी गेंदबाज द्वारा एक पारी में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा हैं। इससे पहले 2023 में यश दयाल ने केकेआर के खिलाफ 8 छक्के दिए थे।

मिचेल मार्श आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए

सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके नाम अब 31 छक्के हो गए हैं।

एलएसजी के लिए एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड निकोलस पूरन के नाम है, जिन्होंने 2025 में 40 छक्के लगाए थे।

मिचेल मार्श और जोश इंग्लिस ने चेन्नई के खिलाफ 135 रन की साझेदारी की। यह लखनऊ के लिए आईपीएल में किसी भी विकेट के लिए तीसरी सबसे बड़ी पार्टनरशिप है।

एलएसजी के लिए सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड क्विंटन डी कॉक और केएल राहुल के नाम है। दोनों ने 2022 में केकेआर के खिलाफ 210 रन की नाबाद साझेदारी की थी।

लखनऊ के निकोलस पूरन टीम के लिए सबसे ज्यादा आउटफील्ड कैच लेने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उनके नाम अब 21 कैच हो गए हैं। उन्होंने इस मामले में दीपक हुड्डा और रवि बिस्नोई को पीछे छोड़ा, जिनके नाम 20-20 कैच हैं।

सीएसके ने इस सीजन 21

खिलाड़ियों को मौका दिया

चेन्नई ने आईपीएल 2026 में अपने प्लेइंग कॉम्बिनेशन में लगातार बदलाव किए हैं। लखनऊ के खिलाफ मैच में स्पेंसर जॉनसन को मौका मिला, जो इस सीजन सीएसके के लिए खेलने वाले 21वें खिलाड़ी बने। इस मामले में सिर्फ लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस ने चेन्नई से ज्यादा खिलाड़ियों का इस्तेमाल किया है।

चेन्नई के तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज के एक ओवर में मिचेल मार्श ने 28 रन बटोर दिए। इसके साथ ही यह आईपीएल इतिहास में पावरप्ले के दौरान किसी सीएसके गेंदबाज का सबसे महंगा ओवर बन गया। इससे पहले 2024 में मुकेश चौधरी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ दूसरे ओवर में 27 रन दिए थे।

वहीं, मार्श ने इस ओवर में 28 रन बनाकर लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए आईपीएल में एक ओवर में सबसे ज्यादा रन बनाने की बराबरी भी कर ली। इससे पहले निकोलस पूरन ने 2025 में विशाखापट्टनम में ट्रिस्टन स्टब्स के ओवर में 28 रन बनाए थे।

सात्विक-चिराग थाईलैंड ओपन के फाइनल में पहुंचे सेमीफाइनल में मलयेशियाई जोड़ी को दी मात



तीसरी बार थाईलैंड ओपन का खिताबी मैच खेलेंगे सात्विक-चिराग

दर्ज करने में सफल रहे। सात्विक-चिराग की जोड़ी थाईलैंड ओपन के फाइनल में तीसरी बार पहुंची है, जबकि मौजूदा सीजन में इस जोड़ी का यह किसी टूर्नामेंट का पहला खिताबी मुकामला होगा।

सात्विक-चिराग की जोड़ी का

गोह जी फेई और नूर इजुद्दीन के खिलाफ 8-2 का रिकॉर्ड हो गया है। हालांकि, इस मलयेशियाई जोड़ी ने पिछले साल सात्विक-चिराग को इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में मात दी थी।

सात्विक-चिराग का फाइनल में

पहुंचना भारत के लिए राहत की खबर है क्योंकि महिला एकल वर्ग में पीवी सिंधू और पुरुष एकल वर्ग में लक्ष्य सेन क्वार्टर फाइनल में अपने-अपने मुकाबले हारकर बाहर हो गए थे। अब सात्विक-चिराग से ही इस टूर्नामेंट में खिताब जीतने की उम्मीद है।

मलयेशियाई जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करके 3-1 की बढ़त बना ली, लेकिन सात्विक और चिराग ने स्कोर 5-5 से बराबर कर लिया। पहले गेम में मलयेशियाई जोड़ी ने ब्रेक तक 11-8 की बढ़त बना ली। चिराग की गलती से शटल नेट में चली गई और अंतर बढ़ गया।

पहला गेम मलेशियाई जोड़ी ने 21-19 से जीता। इसके बाद दूसरे गेम में मुकाबला बराबरी का था और स्कोर 3-3 से 6-6 हो गया। भारतीय जोड़ी ने 9-6 की बढ़त बना ली लेकिन चिराग के एक रिटर्न पर शटल नेट में जाने से बढ़त 10-9 की रह गई।

ब्रेक के बाद फिर स्कोर 13-13 हो गया। चिराग ने भारत को 16-14 से बढ़त दिलाई, लेकिन फिर रिटर्न नेट में जाने से स्कोर 16-16 हो गया। भारतीय जोड़ी ने फिर 19-16 की बढ़त बनाई और एक समय स्कोर 20-20 था जब भारतीय जोड़ी ने इजुद्दीन का शॉट वाइड जाने पर यह गेम जीता। निर्णायक गेम में भारतीय जोड़ी हावी रही और मलयेशियाई जोड़ी वापसी नहीं कर पाई।

ऋषभ पंत पर लगा 12 लाख का जुर्माना : स्लो ओवर रेट के कारण आईपीएल की कार्रवाई; इस सीजन में एलएसजी की पहली गलती

लखनऊ, 16 मई (एजेंसियां)। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत पर आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच में स्लो ओवर रेट के कारण की गई।

मुकाबला लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया था। ऋषभ पंत की कप्तानी वाली टीम की इस सीजन में यह पहली गलती थी, इसलिए आईपीएल नियमों के तहत उन पर केवल आर्थिक जुर्माना लगाया गया।

ओवर-रेट से जुड़े आर्टिकल 2.22 के अनुसार किसी टीम को तय समय में अपने 20 ओवर डालने होते हैं। ऐसा नहीं होने पर



आईपीएल गवर्निंग काउंसिल दोषी पाए जाने पर कप्तान पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाता है।

आईपीएल नियमों के मुताबिक, अगर लखनऊ की टीम इस सीजन में दोबारा स्लो ओवर रेट की गलती करती है, तो कप्तान ऋषभ पंत पर जुर्माना बढ़कर 24 लाख रुपए हो

जाएगा। प्लेइंग इलेवन के बाकी खिलाड़ियों पर भी मैच फीस का 25% या 6 लाख रुपए (जो भी कम हो) का जुर्माना लगाया जाएगा। अगर तीसरी बार भी यही गलती होती है, तो कप्तान पर 30 लाख का जुर्माना और एक मैच का बैन लग सकता है।

जुर्माने से अलग, इस मुकाबले के नतीजे ने आईपीएल 2026 की पॉइंट्स टेबल को दिलचस्प बना दिया है। लखनऊ सुपर जायंट्स ने अपने होम ग्राउंड इकाना स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स को हराया। इस हार से चेन्नई की प्लेऑफ में सीधे पहुंचने की राह मुश्किल हो गई है। लखनऊ की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है, लेकिन उसने चेन्नई का गणित बिगाड़ दिया है।

पाकिस्तान की फातिमा की महिला टी-20 में सबसे तेज फिफ्टी 15 गेंदों में जड़ा अर्धशतक; भारत की ऋचा घोष समेत 3 बैटर्स का रिकॉर्ड तोड़ा



कराची, 16 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने महिला टी-20 इंटरनेशनल मैच में सबसे तेज फिफ्टी का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने कराची में जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे टी-20 इंटरनेशनल में 15 गेंदों में अर्धशतक जड़ा।

34 साल की फातिमा ने सोफी डिवाइन, फीबी लिचफील्ड और भारत की ऋचा घोष का रिकॉर्ड तोड़ा। इन तीनों ने 18-18 गेंदों में फिफ्टी बनाई थी। इससे पहले पाकिस्तान के लिए यह रिकॉर्ड निदा डार के नाम था। उन्होंने 2019 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 20 गेंदों में फिफ्टी बनाई थी।

फातिमा सना की यह पारी इंटरनेशनल के साथ ओवरऑल विमेंस टी-20 क्रिकेट में भी सबसे तेज फिफ्टी है। मैरी केली ने 2022 में वॉर्विकशायर और लॉरा हैरिस ने 2025 में ओटागो के लिए घरेलू क्रिकेट

में 15 गेंदों में अर्धशतक बनाए थे।

तीसरे टी-20 में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की थी। फातिमा सना 17वें ओवर में बल्लेबाजी करने उतरीं। तब टीम का स्कोर 152 रन पर 4 विकेट था। उन्होंने पहली गेंद पर चौका लगाया। इसके बाद कुदजई चिगोरा की गेंदों पर लगातार चार चौके जड़े। फातिमा ने 19वें ओवर में नोमवेलेो सिबांडा के खिलाफ सबसे आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने ओवर में 4, 4, 6, 6 और 4 रन के साथ 24 रन बनाए। आखिरी ओवर की दूसरी गेंद पर 2 रन लेकर अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने पारी का अंत दो चौकों के साथ किया और 19 गेंदों में 62 रन बनाकर नाबाद रहीं। इस दौरान 10 चौके और 2 छक्के लगाए। फातिमा की तूफानी पारी और सायरा जबीन के नाबाद 50 रन की बदौलत पाकिस्तान ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 223 रन बनाए। यह टी-20 में पाकिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। इसी सीजन के पहले मैच में टीम ने 237 रन बनाए थे।

224 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की टीम 90 रन पर सिमट गई। सादिया इकबाल और नशरा संधू ने मिलकर 5 विकेट लिए। कप्तान फातिमा सना ने भी 2.1 ओवर में 28 रन देकर 1 विकेट लिया। कप्तान फातिमा सना इस साल शानदार फॉर्म में हैं। वह 2026 में 5 पारियों में 229 रन के साथ पाकिस्तान की सबसे ज्यादा टी-20 इंटरनेशनल रन बनाने वाली बल्लेबाज हैं।



शामिल होकर भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के सदस्य तड़के करीब 3 बजे मंदिर पहुंचे। इस दौरान कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ कोच भी शामिल हुए। कप्तान हरमनप्रीत के साथ प्रवीण शर्मा, अमोल मुनुमदार, अरुंधति, शेर सिंह, अनिरुद्ध, भारती, साल्वी, श्रेयंका, रेणुका, राखी, धनंजय, नंदिनी, सचिन, पूर्वा, यस्तिका, शैफाली, दीपति, ममता, राधा, क्रांति, रुचा, मुनीश, नल्लापु, गोल्लाने सहित अन्य खिलाड़ी मौजूद रहे। सभी खिलाड़ियों ने ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर की प्रातःकालीन भस्म आरती में दर्शन लाभ लिया। भस्म आरती के दौरान महिला खिलाड़ी पूरी तरह भक्ति में लीन नजर आईं। करीब दो घंटे तक आरती में शामिल रहने के बाद खिलाड़ियों ने नंदी हॉल में पूजन-अभिषेक किया और नंदी के कान में अपनी मनोकामना कही। इसके बाद चांदी द्वार से भगवान महाकाल को पुजारी के हाथों जल अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आरती के पश्चात श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से भारतीय महिला क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों का स्वागत और सम्मान भी किया गया।

उज्जैन, 16 मई (एजेंसियां)। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में शनिवार सुबह भारतीय महिला क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों ने बाबा महाकाल के दरबार में हाजिरी लगाई। टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित अन्य खिलाड़ियों ने तड़के भस्म आरती में

मुशफिकुर रहीम ने संन्यास से वापसी की खबरें खारिज की कहा- टीम अच्छा कर रही, मेरी जरूरत नहीं; पिछले साल रिटायरमेंट लिया था

सिलहट, 16 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मुशफिकुर रहीम ने वनडे क्रिकेट में संन्यास से वापसी की खबरों को सिर से खारिज कर दिया है। रहीम ने कहा- ‘उनका संन्यास का फैसला अंतिम है और वे अब इस फॉर्म में लौटकर नहीं आएंगे।’ 39 साल के रहीम ने खुलासा किया कि उन्हें बोर्ड और टीम मैनेजमेंट की तरफ से वनडे टीम में लौटने का संदेश मिला था।

हाल ही में बांग्लादेश के वनडे कप्तान मेहदी हसन मिराज ने कहा था- ‘रहीम का अनुभव और मिडिल ऑर्डर में उनकी मौजूदगी टीम को मजबूती दे सकती है।’ इसके बाद मुशफिकुर से वापसी को लेकर बातचीत शुरू हो गई।

पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले



रहीम ने कहा- ‘टीम मेरे बिना भी अच्छा कर रही है।’ वापसी के सवाल पर रहीम ने कहा- ‘मुझे वनडे टीम में वापस लौटने का ऑफर मिला था, लेकिन मुझे लगता है कि अब उन्हें मेरी सेवाओं की कोई जरूरत नहीं है। टीम इस समय अच्छा प्रदर्शन कर रही है और वे भविष्य में और भी बेहतर करेंगे।’

न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज के दौरान बांग्लादेश का मिडिल ऑर्डर नाकाम रहा। खासकर पहले वनडे में टीम को कोलेप्स का सामना करना पड़ा था। इसे बेहतर बनाने के लिए बोर्ड रहीम को वापस लाने का प्रयास कर रहा था।

रहीम ने पिछले साल चैंपियंस ट्रॉफी से बांग्लादेश के जल्दी बाहर होने के बाद रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया था। रहीम अब केवल टेस्ट क्रिकेट खेलते हैं। उन्होंने टी-20 से 2022 वर्ल्ड कप के बाद रिटायरमेंट एनाउंस किया था। मुशफिकुर का वनडे करियर 19 साल का था। वे बांग्लादेश के पूर्व कप्तान भी रह चुके हैं। रहीम एकमात्र बांग्लादेशी है जिन्होंने टेस्ट में तीन डबल सेंचुरी लगाई है।

